सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष 30 | अंक 131

जयपुर, शनिवार 29 अगस्त, 2026

मूल्य: 2 रुपए

KEDIA सेजस्थान
अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No. RAJ/P/2023/2387

परसों 5 लाख रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

₹4300/- Sq ft में फ्लैट ! दिसंबर तक 25 लाख रेट बढेगी ₹5500/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com www.kedia.com 78770-72737 | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH

T&C Apply

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

अब आपका Address आपका Status बताएगा !

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट ₹16500/ वर्ग गज | लॉन्च रेट ₹18000/ वर्ग गज | दिवाली की रेट ₹20000/ वर्ग गज

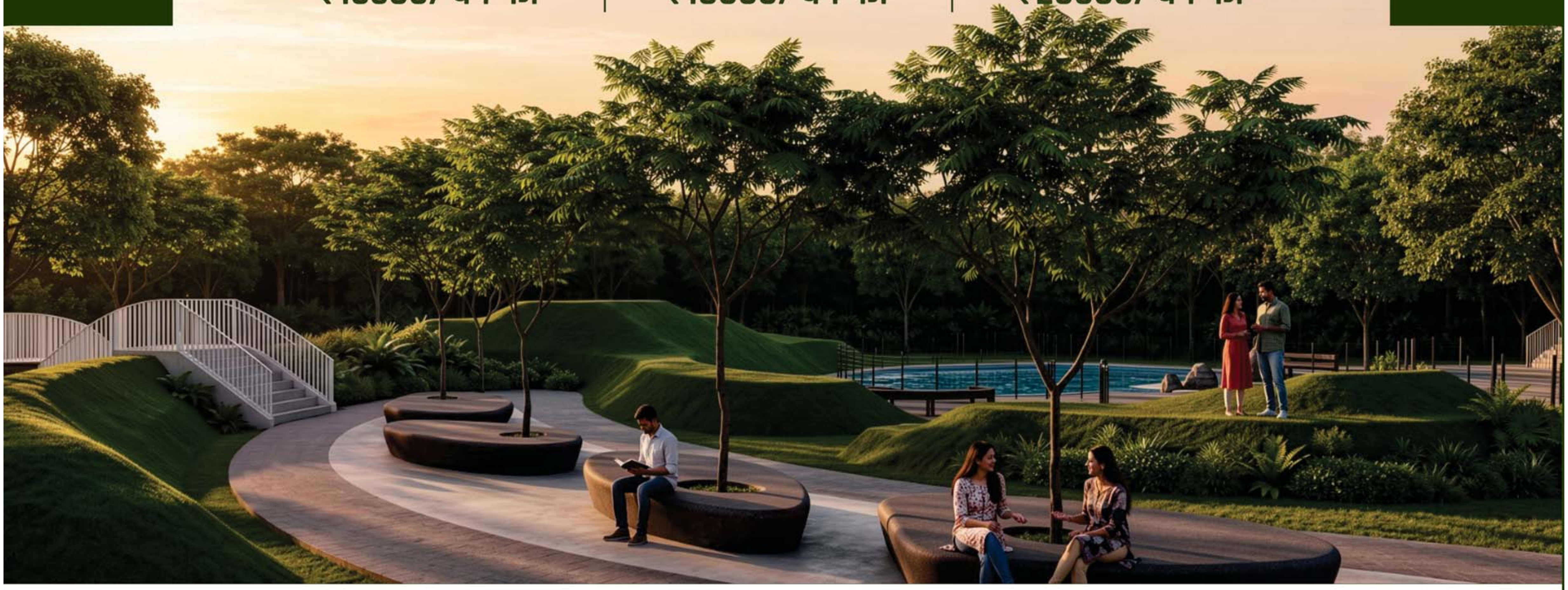

KEDIA® | 1800-120-2323 78770-72737 | info@kedia.com www.kedia.com

T&C Apply

न्यूज गैलरी

अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन मूथा सम्मानित

जयपुर समाचार जगत न्यूज, पोरवाल समाज, जयपुर की ओर से कई वर्षों से राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में समाज की बहुमूल्य सम्पति से संबंधित विचाराधीन सिविल मामले का मात्र एक माह में निस्तारण करवाकर एवं त्वरित न्याय दिलवाकर समाज की संपत्ति को संरक्षित करने के लिए अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन मूथा को सम्मानित किया गया है। इस दौरान पोरवाल समाज, जयपुर के महासचिव महावीर प्रसाद गुप्ता, गिरिजा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। समाज के अध्यक्ष गिर्राज मोहन गुप्ता द्वारा यह सम्मान समाज की सम्पति के विवाद के त्वरित समाधान के लिये किए गये अथक प्रयासों के लिए दिया गया है। पूर्व में भी अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन को कोरोना काल में अधिवक्ता समुदाय एवं आमजन की निस्वार्थ भाव से मदद करने के लिए दी बार एसोसिएशन की तरफ़ से भी सम्मानित किया गया था। उपरोक्त बहुमूल्य सम्पत्ति के संबंध में एडवोकेट सिद्धार्थ जैन मूथा ने बताया कि यह सम्पत्ति गायत्री नगर, दुर्गापुरा में स्थित है। जिस पर अवैध कब्जा कर लिया गया था।

युगांडा की महिला को 15 साल की जेल व 2 लाख का जुर्माना

जयपुर समाचार जगत न्यूज, युगांडा की महिला को 15 साल की जेल व 2 लाख का जुर्माना जयपुर, समाचार जगत न्यूज। विदेश से शरीर में छिपाकर अफीम से परिष्कृत अत्यधिक नशीले पदार्थ हेरोइन की तस्करी करने के मामले में एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत में जज विनोद कुमार शर्मा ने महिला तस्कर युगांडा गणराज्य में किचोपे, ओडोकोमिट-लीरा निवासी 28 वर्षीय एवलिन नैन्सी एकेलो को 15 साल की सश्रम जेल एवं 02 लाख रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। 28 अप्रैल, 2022 को सुबह साढ़े 04 बजे एयर अरेबिया की फ्लाइट से शारजहां से जयपुर एयरपोर्ट आई महिला तस्कर एवलिन नैन्सी एकेलो ने राजस्व आसूचना निदेशालय की पूछताछ में स्वयं के पास कर देय/प्रतिबंधित/निषिद्ध सामान होने से इंकार कर दिया था। बाद में उसे सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके शरीर से 778 ग्राम के 06 से 08 सेंटीमीटर के 70 अंडाकार हेरोइन से भरे हुए कैप्सूल बरामद किए गए थे। वाणिज्यिक मात्र 250 ग्राम से अधिक मादक पदार्थ की तस्करी को अदालत ने गंभीर अपराध मानते हुए उपरोक्त सजा सुनाई।

भीड़ में महिला का मंगलसूत्र चुराने वाली आरोपी गिरफ्तार

जयपुर समाचार जगत न्यूज, समाचार जगत न्यूज. रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला को सिंधी कैंप थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला भतेरी (55) निवासी पचेरी कलां जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला, एएसआई प्रहलाद सिंह, कांस्टेबल सतवीर, श्रवण कुमार, भागीरथ तथा महिला कांस्टेबल सुनीता और सरिता शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल सतवीर की कार्रवाई में विशेष और सराहनीय भूमिका रही। सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला ने बताया कि ललिता मेहरा सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रा के लिए पहुंची थीं। बस स्टैंड पर रक्षाबंधन के कारण काफी भीड़ थी। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी ने उनके गले से सोने का मंगलसूत्र चोरी कर लिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आसूचना तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदिग्ध महिला की पहचान की और गिरफ्तार किया।

नारणावास में पक्षी घर का शिलान्यास, तुलसी देवी की स्मृति में बनेगा आश्रय

जालोर, समाचार जगत ब्यूरो. नारणावास-बागरा सड़क मार्ग पर स्थित कालेटी नाड़ी के पास बनी प्याऊ के समीप शुक्रवार को पक्षी घर का शिलान्यास किया गया। पंडित कमलेश कुमार एवं हार्दिक कुमार की देखरेख में विधि-विधानपूर्वक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी देवी की स्मृति में सादाराम घांची बागरा के परिवार की ओर से पक्षी घर की नींव रखी गई। इस पक्षी घर के बनने से आने वाले समय में हजारों पक्षियों का रैन-बसेरा बनेगा। इस पुनीत कार्य के लिए नारणावास के रूपसिंह राठौड़ ने सादाराम परिवार बागरा का आभार जताया।

हजारों पक्षियों को मिलेगी राहत : नारणावास की इस कालेटी नाड़ी के पास पहले से ही सादाराम परिवार की ओर से प्याऊ व चुगा घर बनाया हुआ है, जिसके कारण यहाँ विभिन्न प्रजातियों के हजारों पक्षी रहते हैं। वर्षा के मौसम में पक्षियों को खतरे के साथ भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में यहाँ पक्षी घर बनने से हजारों पक्षियों को राहत मिलेगी और सुरक्षित आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर रूपसिंह राठौड़ नारणावास, सादाराम घांची, देवाराम, भगवत सिंह, गंगासिंह बागरा, उदमी हिराराम घांची, जोईताराम सुथार, बदाराम, हाजी कालूखा, तगाराम घांची, दलाराम सोलंकी, रणछोड़ भाटी, चंपालाल, रावताराम, मालमसिंह, विक्रमसिंह, अभिमन्युसिंह, उकाराम मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

रक्षाबंधन : भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व बुद्धादित्य योग में मनाया

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को बुद्धादित्य योग में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया।

इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं होने और बुद्धादित्य योग बनने से दिनभर राखी बांधने का सिलसिला चला। छोटी काशी जयपुर घरों से लेकर मंदिरों तक रक्षाबंधन की रौनक से सराबोर रही।

सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गईं। मुख्य द्वारों पर स्वस्तिक बनाकर सूण जिमाने की परंपरा निभाई गई। इसके बाद मंदिरों में लड्डू गोपाल को राखी अर्पित की गई और पितरों के निमित्त रक्षा सूत्र निकाला गया। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक और अक्षत लगाए, दाहिनी कलाई पर राखी बांधी और आरती उतारकर उनके दीर्घायु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना की।

भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनके सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। इस बार कुछ भाइयों ने सुरक्षा के संकल्प को एक कदम आगे बढ़ाते हुए बहनों के लिए बीमा पॉलिसी भी कराई। इसके जरिए उन्होंने बहनों को भविष्य की आर्थिक चिंता से सुरक्षा देने का प्रयास किया।

रक्षाबंधन पर शहर में परंपरा और आधुनिकता का संगम देखने को मिला। बड़ों की कलाई पर राम राखी सजी नजर आई तो बच्चों के हाथों में रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां दिखाई दीं।

विवाहित बहनें अपने काम-काज निपटाकर भाइयों के घर पहुंचीं और भाइयों के साथ भाभी तथा भतीजे-भतीजियों की कलाई पर भी रक्षा सूत्र बांधे। पूरे दिन भाई-बहन एक-दूसरे के घर पहुंचते रहे। कहीं बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर स्नेह का धागा मजबूत किया तो कहीं भाइयों ने उपहार देकर बहनों की खुशियों में इजाफा किया। इस तरह रक्षाबंधन ने जयपुर में पारिवारिक मिलन, प्रेम और सुरक्षा के भाव को और गहरा कर दिया।

वहीं रक्षाबंधन पर राज्य सरकार के निर्देश पर राजस्थान रोडवेज ने प्रदेशभर में महिलाओं और बालिकाओं के लिए मुफ्त यात्रा की व्यवस्था की।

यह सुविधा गुरुवार रात 12 बजे से शुरू हो गई थी। शुक्रवार को भाइयों को राखी बांधने के लिए आने-जाने वाली महिलाओं का बसों में दिनभर रैला लगा रहा।

मुफ्त यात्रा की सुविधा के चलते बड़ी संख्या में महिलाओं ने निजी बसों के बजाय रोडवेज बसों को प्राथमिकता दी। बसों में महिला यात्रियों की संख्या कई जगह पुरुष यात्रियों के मुकाबले काफी अधिक नजर आई। मुफ्त सफर की सौगात से महिलाओं में खुशी भी दिखाई दी।

महिलाओं को मुफ्त यात्रा से मिली सुगमता

कई स्थानों पर भीड़ अधिक होने से महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ जगह भीड़ के कारण यात्री आपस में उलझते भी नजर आए। बसों में महिलाओं की भारी भीड़ को देखते हुए कई पुरुष यात्रियों ने निजी बसों या अन्य साधनों से सफर करना उचित समझा। इस तरह रक्षाबंधन पर जयपुर में जहां घर-घर प्रेम और विश्वास का धागा मजबूत हुआ, वहीं रोडवेज की मुफ्त यात्रा ने बहनों के लिए पर्व पर आवागमन को सुविधाजनक बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री से वार्ड 13 से टिकट की मांग की

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो।जिला भाजपा प्रवक्ता जूली शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आगामी नगर परिषद चुनाव में टोंक के वार्ड संख्या 13 से पार्टी का टिकट दिए जाने की मांग की है। जूली शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री से अपनी मांग रखते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 15 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के लिए सोशल मीडिया के क्षेत्र में दिन-रात कार्य किया है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने बताया कि नगर परिषद टोंक का वार्ड 13 सामान्य महिला के लिए आरक्षित है और उन्होंने इसी वार्ड से पार्टी टिकट की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि उनकी पार्टी के प्रति लंबे समय से की जा रही मेहनत और सक्रियता को ध्यान में रखते हुए उनकी दावेदारी पर विचार किया जाए। जूली शर्मा ने पोस्ट में यह भी कहा कि यदि संगठन में किसी स्तर पर उनकी स्थिति कमजोर है तो पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उन्हें चुनाव लड़ने में सहयोग करें। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सामान्य कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिलेगा तो वह पार्टी में आगे कैसे बढ़ पाएगा। उनकी इस सोशल मीडिया पोस्ट के बाद स्थानीय भाजपा राजनीति में वार्ड 13 से टिकट को लेकर दावेदारियों और संगठन के निर्णय पर चर्चा तेज होने की संभावना है। राष्ट्रीय खेल दिवस पर 'खेलो इंडिया संवाद'टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय, टोंक में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद' खेल की बात प्रधानमंत्री के साथ' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। इसके पश्चात एथलेटिक्स के स्पोर्ट्स पर्सन हिमांशी राजावत एवं संजय कुमार बंसीवाल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए खेलों में अवसर, प्रतिभा विकास, नियमित अभ्यास एवं अनुशासन के महत्व पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में संयोजक रोहिल कुमार उपस्थित रहे। मॉडरेटर स्नेहा व्यास ने संवाद का प्रभावी संचालन किया।महाविद्यालय की प्राचार्या यास्मीन फातमा ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व से अवगत कराते हुए शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी अरुण कुमार मीना एवं डॉ. कमलेश कुमार मीना के समन्वय में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने खेल सुविधाओं, प्रतिभा संवर्धन, ग्रामीण युवाओं की भागीदारी एवं 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभा विकास जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भाई बहन के प्यार का अटूट प्रेम पर्व रक्षाबंधन का त्यौहार चौमूं में धूमधाम से मनाया

बहनों ने बांधी भाई की कलाई पर राखी, भाइयों ने सुख-दुख में साथ निभाने का वादा किया

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। भाई बहन के प्यार का अटूट प्रेम पर्व रक्षाबंधन का त्योहार पारम्परिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर इनकी खुशहाली व लम्बी उम्र की कामना की वहीं भाईयों ने बहनों को सुख दुख में साथ निभाने का वादा किया। एक ओर जहां रक्षाबंधन पर्व पर सुबह से ही घरों में जोर शोर से तैयारियां की जा रही थी, वहीं दूसरी ओर दरवाजों पर शगुन बनाकर भोग लगाया गया। शुक्रवार को दिन भर शुभ मुहूर्त में बहनों ने सज धज कर भाईयों की कलाई पर राखी बांधी। हाईटेक जमाने में राखियों की सूरत भी आधुनिकता से ओत-प्रोत थी। बच्चों की राखियों में खेल-खिलौने व सुपरमैन की भरमार थी।

एक ओर जहां बड़ी राखियां कीमती धातुओं से बनी हुई थी वहीं दूसरी ओर बहनों ने भी बड़े लाड प्यार से आतुर होकर भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। बहनों में देखी गई उत्सुकता- रक्षाबंधन पर्व पर राखी बांधने के लिए बहनों में काफी उत्साह था। प्रातः काल से ही नए परिधान में सजी बहने मिठाई व राखी लेकर अपने भाइयों के घर पर पहुंचती देखी गई तथा बहनों के द्वारा भाइयों की कलाई पर राखी बांधे जाने पर भाईयों ने उन्हें उपहार दिए। दिन भर देखी गई चहल पहल- रक्षाबंधन पर्व को लेकर शहर में दिन भर आवागमन जारी रहा। एक और जहां राज्य सरकार ने रोडवेज बसों में महिलाओं को आने जाने को लेकर फ्री सेवा दे रखी थी, वहीं दूसरी ओर अपने निजी वाहनों से भी महिलाएं आवागमन करती हुई नजर आ रही थी।

शहर के बस स्टैंड सहित अनेक मार्गों में दिनभर वाहनों की रेलमपेल लगी हुई थी और बहने अपने भाइयों के घर जाने को इतनी आतुर नजर आ रही थी कि उनके आगे शहर की यातायात व्यवस्था भी बेबस नजर आ रही थी।

सुबह से ही मिठाइयों की दुकानों, फल फ्रूट्स, पानी के नारियल की इतनी बिक्री होते नजर आ रही थी कि दुकानदार भी काफी व्यस्त नजर आ रहे थे। शहर में रक्षाबंधन पर्व पर लोगों ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दी।

रक्षाबंधन के पर्व पर पुलिस प्रशासन के द्वारा भी यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से कमर कस रखी थी।

पुलिस जवानों को बांधा सद्भाव का रक्षा सूत्र

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, शाखा टोंक की ब्रह्माकुमारी बहनों ने कोतवाली पुलिस थाना टोंक, पुलिस लाइन टोंक तथा पुलिस थाना बनेठा पहुंचकर पुलिस अधिकारियों, जवानों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों को आत्मस्मृति का तिलक लगाकर पवित्रता, प्रेम, सद्भाव और शुभभावना का रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान सभी का मुख मीठा करवाया गया तथा नशामुक्त एवं संस्कारयुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। इस अवसर पर स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के अटूट, पवित्र एवं दिव्य संबंध की याद दिलाने वाला आध्यात्मिक उत्सव है। जब हम परमात्म प्रेम के रक्षा सूत्र में बंधते हैं, तब हमारे जीवन में शांति, शक्ति और सुरक्षा का अनुभव होता है। ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि सच्चा रक्षा सूत्र वह है जो मनुष्य को बुराइयों, नकारात्मक विचारों और विकारों से रक्षा करने की प्रेरणा दे। पवित्रता, सम्मान और शुभ संकल्प ही प्रत्येक रिश्ते को मजबूत और सुंदर बनाते हैं। ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने संस्थान द्वारा भारत सरकार के सहयोग से संचालित 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान की जानकारी देते हुए सभी उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं नागरिकों को नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि नशे से मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और विकसित भारत की आधारशिला है। ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने पुलिस थाना बनेठा पहुंचकर थाना प्रभारी हीरालाल वर्मा सहित समस्त पुलिस जवानों को रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुरक्षित सेवा और राष्ट्रहित में निरंतर समर्पण के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ब्रह्माकुमारी बहनों के इस आध्यात्मिक एवं सामाजिक जनजागरण अभियान की सराहना करते हुए समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों और नशामुक्ति का संदेश घर-घर पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

मोटरबाइक रैली निकाल कर जागरूकता का संदेश

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर से अरबी फारसी शोध संस्थान तक मोटर बाइक रैली निकालकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। मतदाता जागरूकता रैली को उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनोद कुमार मीणा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला स्तरीय मोटर बाइक रैली कलेक्ट्रेट कार्यालय, पटेल सर्कल, कोठी नातमाम, रोडवेज डिपो, बड़ा कुआं, घंटाघर पुलिस लाइन, बस स्टैंड होते हुए एपीआरआई पर पहुंची। जहां स्वीप कोऑर्डिनेटर राजू लाल शर्मा ने मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी की शपथ दिलाई। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

महिलाएं खड़ी-खड़ी सफर करने को मजबूर

48 घंटे फ्री सफर की सौगात पर सड़कों से बसें नदारद

नसीराबाद, समाचार जगत ब्यूरो. रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश सरकार ने महिलाओं और बालिकाओं के लिए राजस्थान रोडवेज की बसों में 28 और 29 अगस्त को 48 घंटे निशुल्क यात्रा की सौगात दी है। कागजों पर यह निर्णय बेहद सार्थक और स्वागत योग्य है, क्योंकि सरकार का उद्देश्य है कि हर बहन अपने भाई के घर जाकर राखी बांध सके लेकिन जमीनी हकीकत इस सार्थक सोच के बिल्कुल उलट है। प्रदेश में रोडवेज की 3200 से अधिक एक्सप्रेस बसों में यह सुविधा लागू की गई है, जबकि एसी, वोल्वो और ऑल इंडिया परमिट की बसों को इससे बाहर रखा गया है साथ ही यह सुविधा केवल राजस्थान की सीमा के भीतर ही मान्य है। रोडवेज प्रशासन ने आदेश जारी कर अग्रिम बुकिंग और जीरो राशि का टिकट जारी करने के निर्देश भी दिए हैं। लेकिन सवाल ये है कि महिलाएं यात्रा करेंगी तो किसमें क्योंकि राखी के त्योहार के मौके पर बसों की भारी कमी सबसे बड़ी बाधा बन गई। नसीराबाद सहित कई छोटे डिपो और ग्रामीण रूटों पर बसें समय पर नहीं पहुंची। जिन रूटों पर बसों की सबसे ज्यादा जरूरत थी, वहां घंटों तक बसें नहीं आईं। बस स्टैंडों पर सुबह से ही महिलाओं की भीड़ लगी रहीं। जब बस आई भी तो पहले से ही खचाखच भरी हुई। कई बहनों को सीट तो दूर, खड़े होकर 50-60 किलोमीटर तक सफर करना पड़ा। बुजुर्ग महिलाओं और गोद में बच्चे लिए महिलाओं की स्थिति सबसे ज्यादा दयनीय रही।

घोषणा बड़ी लेकिन तैयारी अधूरी : सरकार ने अग्रिम सीट बुकिंग की सुविधा का प्रचार किया, लेकिन अधिकांश यात्रियों को इसकी जानकारी ही नहीं थी। काउंटरों पर ईटीआईएम मशीनें खराब पड़ी रहीं और जीरो टिकट के नाम पर कागजी खानापूर्ति होती रही। अतिरिक्त बसें चलाने का दावा भी कागजों तक ही सीमित रहा। कई रूटों पर पुरानी और खटारा बसें भेज दी गईं, जो रास्ते में खराब हो गईं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा0नि0वि0 खण्ड- कामां (डीग)

क्रमांक :- 504 दिनांक :-18-08-2026

निविदा सूचना सं0 06/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड-कामां में विभिन्न कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 01 कार्य, जिनकी कुल लागत राशि रुपये 157.31 लाख है, के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	दिनांक 21.08.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 08.09.2026 को सांय 6:00 बजे तक
तकनीकी निविदा खोलने की तारीख व स्थान	दिनांक 09.09.2026 को दोपहर 03:00 बजे खण्ड कार्यालय कामां

निविदा से सम्बन्धित विवरण बेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" एवं "sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।

NIB Code: PWD2627A2454	
S.No.	UBN No.
1	PWD2627WSOB10898

अधिशाषी अभियन्ता
सा0नि0वि0 खण्ड-कामां

DIPR/C/15413/2026

सायंकालीन
समाचार जगत
आर.एन.आई. नं. 67417/96
भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत् 2083
संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा
वर्ष 30 | अंक 131 | जयपुर, शनिवार 29 अगस्त, 2026 | मूल्य: 2 रुपए

श्री श्री रवि शंकर जी

अपना दुख बांटने से वह कम नहीं होता, इसलिए समस्याओं को केवल ईश्वर को समर्पित करना चाहिए। वहीं, अपनी खुशी सबके साथ बांटनी चाहिए।

निकाय चुनाव: भाजपा-कांग्रेस की रणनीति तैयार

पहले कराया जाएगा नामांकन आखिरी समय में मिलेगा पार्टी सिंबल

बगावत रोकने के लिए प्रत्याशी सूची सार्वजनिक नहीं करने की तैयारी

भाजपा ने 5750 वार्डों के सिंबल जिलों को भेजे

कांग्रेस आज से प्रभारियों को सौंपेगी लिफाफे

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने टिकट वितरण के साथ पार्टी सिंबल को लेकर भी अपनी रणनीति तैयार कर ली है। दोनों दल विवादित वार्डों में प्रत्याशी घोषित होने के बाद होने वाली संभावित बगावत को सिंबल देने की टाइमिंग के जरिए नियंत्रित करना चाहते हैं। यही वजह है कि अधिकांश वार्डों में पहले नामांकन कराया जाएगा और अंतिम समय में प्रत्याशी को पार्टी सिंबल सौंपा जाएगा। 30 अगस्त से सिंबल वितरण शुरू होने की संभावना है। भाजपा ने संभागवार बैठकों में टिकट के लिए नाम लगभग तय कर जिलों को सिंबल भेजने शुरू कर दिए हैं। दो दिन में पांच संभागों के 6205 वार्डों में से करीब 5750 वार्डों के सिंबल जिलों में अधिकृत प्रभारियों को भेजे जा चुके हैं। कुछ वार्डों में अभी भी दावेदारों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है। वहीं कांग्रेस में भी प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। रायशुमारी, ऑनलाइन आवेदन और कई दौर की बैठकों के बाद अब पार्टी आज से

शेष पृष्ठ छह पर

सूची सार्वजनिक नहीं करने की तैयारी

कांग्रेस गुटबाजी और संभावित बगावत से बचने के लिए प्रत्याशियों की सूची सार्वजनिक नहीं करने की रणनीति पर भी काम कर रही है। पार्टी की कोशिश है कि अधिकृत प्रत्याशियों को नामांकन के अंतिम समय में सिंबल देकर विरोधियों को सक्रिय होने का कम मौका मिले। भाजपा भी विवादित वार्डों में सिंबल देने में जल्दबाजी नहीं करना चाहती। स्थानीय समीकरण और दावेदारों की नाराजगी को देखते हुए जिलों में भेजे गए सिंबल उम्मीदवारों को कब सौंपे जाएं, इसका निर्णय स्थानीय स्तर पर किया जाएगा। इससे टिकट से वंचित दावेदारों को मनाने और संभावित बगावत रोकने के लिए समय मिल सकेगा।

निर्दलियों ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की टेंशन

नगर निकाय चुनाव में इस बार स्थानीय मुद्दों को लेकर कई निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में उतर गए हैं। टिकट की उम्मीद लगाए भाजपा, कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के दावेदारों के लिए निर्दलीयों की सक्रियता चुनौती बनती जा रही है। निर्दलीय उम्मीदवार वार्ड स्तर पर स्थानीय समस्याओं को मुद्दा बनाकर जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं। कई वार्डों में सड़क, सफाई, पेयजल, सीवर, स्ट्रीट लाइट और जलभराव जैसी स्थानीय समस्याओं को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। उनका जोर इस बात पर है कि वार्ड की समस्याओं से परिचित स्थानीय व्यक्ति ही क्षेत्र का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकता है। वहीं कई वार्डों में बाहरी उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने की चर्चाओं ने भी स्थानीय स्तर पर विरोध के सुर तेज कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव में उसी व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया जाना चाहिए, जो लंबे समय से वार्ड में रह रहा हो और क्षेत्र की समस्याओं से परिचित हो। कुछ स्थानों पर स्थानीय लोगों ने साफ तौर पर बाहरी उम्मीदवार को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करने की बात कही है। निर्दलीय उम्मीदवारों की बढ़ती सक्रियता और बाहरी प्रत्याशियों के विरोध के बीच भाजपा और कांग्रेस को टिकट वितरण में स्थानीय समीकरणों का विशेष ध्यान रखना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में नामांकन और प्रचार अभियान के दौरान यह स्थिति और स्पष्ट होगी कि निर्दलीय उम्मीदवार प्रमुख राजनीतिक दलों के समीकरणों को कितना प्रभावित कर पाते हैं।

सीकर: दो इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में लगी भीषण

साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा का नुकसान

पांच दमकलों ने ढाई घंटे में आग पर पाया काबू

समाचार जगत ब्यूरो

सीकर। गोकुलपुरा थाना इलाके में सर्किट हाउस के सामने शनिवार सुबह दो इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में भीषण आग लग गई। हादसे में दोनों शोरूम और उनमें खड़े इलेक्ट्रिक वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग की लपटें पास स्थित हुंडई शोरूम तक भी पहुंच गईं, जहां स्पेयर पाट्‌र्स, एयर कंडीशनर सहित लाखों रुपए का सामान जल गया। तीनों शोरूम में साढ़े 3 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान का अनुमान है। एसएचओ राजाराम लेघा ने बताया कि आग सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच बीएस ऑटोमोबाइल में लगी। देखते ही देखते आग ने पास स्थित बच्चन मोटर्स को भी चपेट में ले लिया। दोनों शोरूम के मालिक भैरोंसिंह शेखावत हैं। सूचना पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। बीएस ऑटोमोबाइल में इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक, जबकि बच्चन मोटर्स में इलेक्ट्रिक ऑटो और ई-रिक्शा बेचे जाते हैं। शोरूम में बड़ी संख्या में वाहन खड़े होने के साथ रबड़ के टायर भी मौजूद थे, जिससे आग तेजी से फैली और इसे बुझाने में समय लगा। आग की लपटें दाईं तरफ स्थित हुंडई शोरूम तक पहुंचीं, जिससे वहां स्पेयर पाट्‌र्स, एयर कंडीशनर सहित अन्य सामान जल गया। वहीं बाईं तरफ स्थित एफआईएजीजीओ शोरूम तक भी आग पहुंची, लेकिन वहां बड़ा नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पहले इलाके की बिजली आपूर्ति बंद करवाई और एक तरफ वाहनों की आवाजाही रोक दी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उज्बेकिस्तान दौरे पर रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद के लिए निकल गए हैं। वह उज्बेकिस्तान और किर्गीजस्तान के चार दिवसीय दौरे पर हैं। ये मोदी का चौथा उज्बेकिस्तान दौरा है। इस दौरान वह उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पीएम किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित 26वें SCO समिट में भी हिस्सा लेंगे और सदस्य देशों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देश व्यापार और निवेश, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा, शिक्षा और जन-समुदायों के बीच आदान-प्रदान सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी 3.89 रुपए महंगी

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। दिल्ली-एनसीआर में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमत में 3.89 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के अनुसार नई कीमत शनिवार सुबह 6 बजे से लागू हो गई है। इसके बाद दिल्ली में सीएनजी 83.09 रुपए से बढ़कर 86.98 रुपए प्रति किलो हो गई। इस साल सीएनजी के दाम में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। नई कीमतों के बाद नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी 95.59 रुपए, मेरठ में 95.47 रुपए और गुरुग्राम में 92.01 रुपए प्रति किलो हो गई है। कंपनी के अनुसार कीमत बढ़ाने की प्रमुख वजह तरलीकृत प्राकृतिक गैस की बढ़ती आयात लागत, अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतों में तेजी और सीएनजी की बढ़ती मांग है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने बताया कि पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति और माल ढुलाई प्रभावित हुई है। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस की कीमतें संकट से पहले की तुलना में करीब दोगुनी हो गई हैं। भारत में सीएनजी की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए आयातित गैस पर निर्भरता बढ़ी है। महंगी गैस और बढ़ती मांग से कंपनी की लागत बढ़ी, जिसके चलते कीमतों में वृद्धि की गई। सीएनजी महंगी होने से दिल्ली-एनसीआर में चलने वाले ऑटो, टैक्सी, बस और मालवाहक वाहनों का संचालन खर्च बढ़ सकता है।

आरएसएस 3 अक्टूबर से इंदौर में करेगा तीन दिवसीय बैठक

इंदौर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिन की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक 3 से 5 अक्टूबर तक इंदौर में होगी। इसे दिवाली बैठक भी कहा जाता है। एक एजेंसी के मुताबिक, संघ के सभी 46 प्रांतों के पदाधिकारी इस बैठक में शामिल हो सकते हैं। यह संघ के शताब्दी वर्ष में होने वाली आखिरी बड़ी संगठनात्मक बैठक होगी। बैठक में संगठन की चल रही गतिविधियों और शताब्दी वर्ष में लिए गए फैसलों को लागू करने पर चर्चा होगी। आरएसएस के अंदर प्रस्तावित ढांचे और संगठन से जुड़े बदलावों को लागू करने की दिशा में भी यह बैठक अहम मानी जा रही है।

कल्याण की बात...

पारटियांळा पच रह्या,
मिलै टिकट अणमोल।
पण निरदलिया का बज्या,
रण में जंगी ढोल।।
@कल्याण सिंह शेखावत

अमेरिका का वेनेजुएला के 65 अरब बैरल तेल पर कब्जा

प्राइवेट कंपनी के साथ करार, ट्रम्प बोले- यह इतिहास की सबसे बड़ी ऑयल डील

एजेन्सी

वॉशिंगटन डीसी/काराकस। अमेरिका ने वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से ज्यादा तेल भंडार पर कंट्रोल हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। यह आंकड़ा इसलिए भी बड़ा है, क्योंकि अमेरिका के पास खुद करीब 46 अरब बैरल तेल है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह काम वेनेजुएला में काम करने वाली एक निजी कंपनी के साथ मिलकर किया जाएगा। इस साझेदारी से निकलने वाले तेल में अमेरिका को 55% हिस्सा मिलेगा। हालांकि,

इस निजी कंपनी का नाम अभी नहीं बताया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे दुनिया की सबसे बड़ी डील बताया है। वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने भी इसे ऐतिहासिक समझौता बताया है।

शेष पृष्ठ छह पर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पिकअप-ट्रक की टक्कर, तीन युवकों की मौत

अलवर, समाचार जगत ब्यूरो। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर आज सुबह पिकअप और ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। हादसा गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में सिरमौर पुलिया के पास सुबह करीब 4 बजे हुआ। हादसे के बाद पिकअप सड़क के दूसरी ओर जाकर पलट गई। एसएचओ धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पिकअप में सवार सभी युवक मेरठ से पौधे लेकर आ रहे थे। इन पौधों को अलवर के राजगढ़ स्थित एक फार्म में लगाया जाना था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ओवरटेक करने के प्रयास में पिकअप ट्रक से टकरा गई। पिकअप के पीछे वाले हिस्से में सो रहे शाहदाव (45), सबाहत (25) और अफसर (22), निवासी मेरठ, की हादसे में मौत हो गई। वहीं केबिन में बैठे ड्राइवर उजैर खान और औरंगजेब घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौदामेव ले जाया गया, जहां उपचार जारी है।

अब तक 21 फीसदी कम बारिश

राजस्थान में 4 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजस्थान में मानसून आने के बाद शुक्रवार को ऐसा पहला दिन रहा, जब प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई। बारिश थमने और तेज धूप निकलने से जयपुर, टोंक, अलवर समेत 15 शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक दर्ज किया गया। वहीं श्रीगंगानगर

में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार मानसून का यह ब्रेक सितंबर के पहले सप्ताह के अंत तक खत्म होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में सितंबर के पहले सप्ताह में एक नया मौसम तंत्र बनने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से राजस्थान में 4-5 सितंबर से मानसून फिर सक्रिय हो सकता है। इस साल मानसून कमजोर रहने के कारण जयपुर सहित 17 जिलों में सूखे जैसे हालात बने हुए हैं। प्रदेश में सबसे कम बारिश पाली जिले में हुई है।

पाली में कार-बाइक की भीषण टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

कई फीट उछलकर सड़क पर गिरे दोनों, अस्पताल में मृत घोषित

समाचार जगत ब्यूरो

पाली। शहर में आज सुबह कार और बाइक की भीषण टक्कर में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि दोनों बाइक से कई फीट हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे। गंभीर हालत में उन्हें पाली के बांगड़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। सदर थाने के एएसआई

शेष पृष्ठ छह पर

सीएम भजनलाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को किया नमन, बोले-

खेलों को जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ, सशक्त और आत्मविश्वासी राजस्थान बनाएं

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के जादूगर एवं पद्म भूषण से सम्मानित महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें नमन

किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर ध्यानचंद की अद्भुत खेल प्रतिभा, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी देश के युवाओं को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ, सशक्त एवं आत्मविश्वासी राजस्थान के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

शेष पृष्ठ छह पर

भारत को दुनिया की सबसे घातक जैवलिन मिसाइल देगा अमेरिका

जवान कंधे से दाग पाएंगे मिसाइल चार किमी तक लक्ष्य भेदने में सक्षम

भारत में निर्माण पर भी काम, 60 जेवलिन मिसाइल खरीदेंगे, दिसंबर से डिलीवरी शुरू

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय सेना अमेरिका से 60 जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को बताया

कि खरीद के लिए भारतीय सेना की ओर से लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। आपातकालीन खरीद प्रक्रिया के तहत होने वाले इस सौदे की कीमत करीब 292 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मिसाइलों की आपूर्ति दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। दोनों देश इसके भारत में निर्माण की दिशा में भी काम कर रहे हैं। जैवलिन एक मानव-वाह्य

शेष पृष्ठ छह पर

लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन ने बनाया

जैवलिन को अमेरिकी रक्षा कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के संयुक्त उपक्रम ने विकसित किया है। यह प्रणाली पहाड़ी और मैदानी सीमावर्ती इलाकों में भारतीय सैनिकों की एंटी-आर्मर क्षमता बढ़ाएगी। भारत वर्ष 2010 से जैवलिन खरीदने की कोशिश कर रहा था। 2012 में तकनीक हस्तांतरण नहीं होने के कारण सौदा आगे नहीं बढ़ सका। बाद में भारत ने इजराइल से स्पाइक मिसाइलें खरीदीं और डीआरडीओ ने स्वदेशी एमपीएटीजीएम विकसित की। अब अमेरिका तकनीक और भारत में निर्माण की संभावनाओं के साथ जैवलिन सौदे को आगे बढ़ा रहा है।

आरपीएससी सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा कल, एक घंटे पहले मिलेगी एंट्री

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से सांख्यिकी अधिकारी (सांख्यिकी विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2025 का आयोजन 30 अगस्त को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक किया जाएगा। सांख्यिकी अधिकारी भर्ती-2025 के 113 पदों के लिए 10,021 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हैं। ओएमआर शीट के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा। एडमिट कार्ड के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक से एप्लीकेशन नंबर और जन्मतिथि डालकर डाउनलोड कर सकते हैं।

इसके अलावा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन एप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा शुरू होने के 60 मिनट पहले तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी कैंडिडेट्स को सेंटर पर एंट्री नहीं दी जाएगी।

शेष पृष्ठ छह पर

सागर बून्द समाय

हम अपने देश के संविधान के खिलाफ कुछ भी न करें, ये एक धर्म है।

■ आचार्य विद्यासागरजी

संपादकीय...

जून में अदालत ने चेताया, मानसून अब कचरे का सच दिखा रहा है

मद्रास हाईकोर्ट ने जून में जो चेतावनी दी थी, उसकी गूंज अगर अब भी सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंची है तो सवाल अदालत के फैसले की ताकत का नहीं, हमारी राजनीतिक संवेदनशीलता का है। यह विडंबना ही है कि जिस समय देश एक ऐसे मानसून का सामना कर रहा है जिसमें बारिश कुल मिलाकर कम है, लेकिन जहां हुई है वहां कहर बनकर टूट रही है। इसी दौरान हम अपने ही कचरे का संकट संभालने में नाकाम होने के बावजूद दूसरे देशों के कचरे को अपने यहां आने दे रहे हैं, जो अंततः वह हमारी जमीन, हमारी नालियों, हमारी नदियों और समुद्र तक पहुंचने वाली श्रृंखला का हिस्सा बन कर प्रकृति का नाश करेगा। मदुरै पीठ के मद्रास हाईकोर्ट ने 19 जून को मेसर्स श्रीपति पेपर एंड बोर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड और संबंधित मामलों में जिस गंभीरता से 'वेस्ट कॉलोनियलिज्म' यानी कचरा औपनिवेशवाद का उल्लेख किया, वह सामान्य न्यायिक टिप्पणी नहीं है।

कचरे का औपनिवेशवाद: मानसून, बाढ़ और प्रदूषण का खतरनाक गठजोड़

कागज के कचरे के नाम पर आयात की गई खेपों में इस्तेमाल की हुई प्लास्टिक बोतलें, प्लास्टिक बैग, कैन, सड़क की सफाई से निकला कचरा और अन्य नगर ठोस कचरा मिला था। अदालत ने कहा कि विकसित देश जब अपने अवांछित कचरे का बोझ विकासशील देशों पर डालते हैं तो यह केवल पर्यावरणीय अन्याय नहीं, बल्कि उस देश की पारिस्थितिक सुरक्षा और संप्रभुता के लिए भी गंभीर खतरा है। अदालत का फैसला दो महीने पुराना हो चुका है, लेकिन उसकी चेतावनी आज पहले से ज्यादा प्रासंगिक है। कारण बदलता हुआ मानसून है। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से कमजोर है। अगस्त के अंतिम सप्ताह तक मौसमी बारिश सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम है। कम बारिश के बावजूद कुछ इलाकों में अतिवृष्टि, बाढ़ ने विनाश किया है। बारिश कम हो या ज्यादा, कचरे का शिकार शहरों और गांवों के जल निकासी तंत्र, 'प्लास्टिक की थैलियां, बोतलें, पैकेजिंग सामग्री, पॉलीथिन और दूसरे ठोस कचरे से बंद जैसे हालात से जूझ रहे हैं। तेज बारिश सड़कों और बस्तियों को जलमग्न कर देती है। शहरी बाढ़ पर अध्ययनों में अपर्याप्त, अवरुद्ध जलनिकासी, ठोस कचरा और नालियों की कम क्षमता बाढ़ बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। कचरे से अंटी नालियों का पानी अंततः नदियों में जाता है और मानसून के तेज बहाव में वही कचरा नदियों के साथ बहकर समुद्र तक पहुंचता है। नदियां हमारे कचरे की वाहक बनती जा रही हैं और समुद्र उसका अंतिम ठिकाना। भारत के डेल्टा इस संकट के सबसे असुरक्षित क्षेत्र हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र से लेकर महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी तक के डेल्टा सदियों से नदियों के साथ आए गाद, पोषक तत्व और मीठे पानी पर निर्भर रहे हैं। अब वे प्लास्टिक, रासायनिक प्रदूषक और शहरों के अनुपचारित कचरे से जूझ रहे हैं। कावेरी-कॉलिडम नदी तंत्र पर हालिया अध्ययन में भी नदी के तलछट में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी और गंभीर पारिस्थितिक जोखिम की ओर संकेत मिला है। 2024-25 में भारत ने रिसाइकिल होने वाले कचरे और स्क्रैप का 12.74 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का आयात किया। इसमें कुछ वैध पुनर्चक्रण योग्य सामग्री भी हो सकती है। मद्रास हाईकोर्ट का फैसला इसी सीमा को लेकर चेतावनी है। अदालत ने न केवल संबंधित खेपों को मूल देशों को वापस भेजने का निर्देश दिया, बल्कि इस पूरे प्रकरण को 'वेस्ट कॉलोनियलिज्म' के व्यापक संदर्भ में देखा। अदालत ने यह भी कहा कि विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों पर ठोस नगर कचरे का बोझ डालना अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन करने के साथ गंभीर पर्यावरणीय क्षरण का कारण बनता है।

शहरनामा

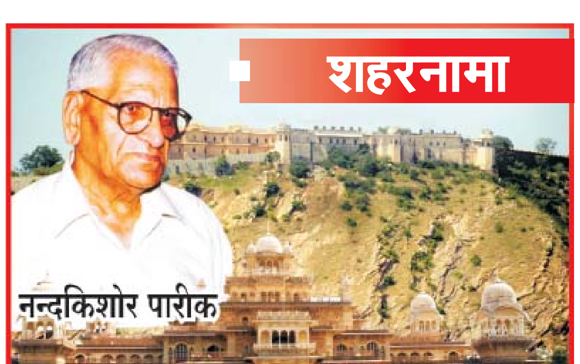

खवास बालाबख्श से अदावत-3

कान्ति बाबू ने महाराजा के इस उच्छृंखल और उद्दण्ड सेवक-सहचर के मनोभाव को उसके चेहरे पर साफ-साफ पढ़ लिया। अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक शोक की उस घड़ी में खबास बालाबख्श के इस अमर्यादित व्यवहार ने उनकी कोयाग्नि जगा दी और उन्होंने पुकारकर अपने नौकरों को आदेश दिया कि इसकी दोनों बाहें पकड़ कर बाहर फेंक दो और इस घर में कभी न घुसने दो। इस आदेश का पालन होता, उससे पहले ही खवास क्रुद्ध और शोक संतप्त कान्ति बाबू की आवाज सुनकर वहां से नौ-दो ग्यारह हो चुका था। इस घटना की खबर महाराजा को पहुंची। वे कान्ति बाबू के पास आए तो वे मुंह ढक कर लेटे हुए थे। महाराजा उनके पास बैठकर खवास बालाबख्श के व्यवहार के लिए माफी मांगते रहे, पर कान्ति बाबू एक शब्द भी नहीं बोले और नाहीं आंखे खोलीं। कान्ति बाबू की मां ने यह सुना तो वे बाहर आ गई और पुत्र से उठकर महाराजा से बात करने के लिए समझाने लगीं।

जल संकट का टिकाऊ समाधान

■ डॉ. रिपुन्जय सिंह
पूर्व सदस्य
राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

भारत में जल संकट अब भविष्य की चुनौती नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। एक ओर मानसून के दौरान शहरों की सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, नालियाँ उफान पर आ जाती हैं और करोड़ों लीटर बहुमूल्य वर्षा जल बह जाता है, वहीं दूसरी ओर कुछ ही महीनों बाद वही शहर पेयजल संकट, गिरते भूजल स्तर और महंगी जलापूर्ति व्यवस्थाओं पर बढ़ती निर्भरता का सामना करते हैं। यह विरोधाभास केवल प्राकृतिक परिस्थितियों का परिणाम नहीं है, बल्कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली की एक मूलभूत कमजोरी को उजागर करता है। हमने वर्षा जल को एक संसाधन के बजाय एक समस्या माना है, जिसे शीघ्रता से शहरों से बाहर निकाल देना चाहिए। आज समय आ गया है कि हम वर्षा जल के प्रति अपनी सोच बदलें। यदि भारत को जल-सुरक्षित बनाना है, तो हमें हर बूंद को बचाने और उसे स्थानीय स्तर पर संरक्षित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। वर्षा जल प्रकृति का सबसे शुद्ध और निःशुल्क उपहार है। मानसून के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में पर्याप्त वर्षा होती है। समस्या वर्षा की मात्रा नहीं, बल्कि उसके प्रबंधन की है। तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण ने प्राकृतिक जल अवशोषण क्षेत्रों को कंक्रीट के जंगलों में बदल दिया है। सड़कें, इमारतें, पार्किंग स्थल और फुटपाथ अब ऐसी अभेद्य सतहें बन चुके हैं जो पानी को जमीन में समाने नहीं देतीं। परिणामस्वरूप वर्षा जल सीधे नालियों में बह जाता है। इससे दोहरी समस्या पैदा होती है। एक तरफ जलभराव और शहरी बाढ़ की स्थिति बनती है, दूसरी तरफ भूजल भंडारों को पुनर्भरण के लिए आवश्यक पानी नहीं मिल पाता। यही कारण है कि देश के अनेक शहरों और कस्बों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कृषि क्षेत्र पानी की कमी से प्रभावित हो रहा है, शहरी नागरिकों को अनियमित जलापूर्ति का सामना करना पड़ रहा है और सरकारों को पानी लाने, शुद्ध करने तथा वितरित करने पर भारी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है। ऐसे समय में वर्षा जल संचयन एक टिकाऊ और दीर्घकालिक समाधान के रूप में उभरता है। नालों को जल निकासी नहीं, जल संचयन प्रणाली बनाना होगा । परंपरागत रूप से स्टॉर्मवॉटर ड्रेन्स का उद्देश्य वर्षा जल को शहर से यथाशीघ्र बाहर निकालना होता है। इससे तत्काल जलभराव कम तो होता है, लेकिन बहुमूल्य जल की भारी बर्बादी भी होती है। यदि इन नालों की संरचना में छोटे-छोटे परिवर्तन किए जाएँ, नालों में ईंटों या छोटे अवरोधों का उपयोग कर पानी के प्रवाह को धीमा करना। जब पानी की गति कम होती है, तो उसे जमीन में रिसने का पर्याप्त समय मिलता है। केवल थोड़ी-सी योजना और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री के उपयोग से बड़े परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। घरों, कार्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों की छतों से पाइपों के माध्यम से वर्षा जल एकत्र कर टंकियों में संग्रहित किया जा सकता है। इस जल का उपयोग बागवानी, वाहन धुलाई, शौचालयों तथा अन्य गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। रिचार्ज पिट या रिचार्ज ट्रेंच वर्षा जल को सीधे भूजल भंडारों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। यह अत्यंत सरल और कम लागत वाला उपाय है। रेत और बजरी से भरी उथली खाइयाँ वर्षा जल को रोककर धीरे-धीरे जमीन में समाने देती हैं। शहरी क्षेत्रों में यह विशेष रूप से प्रभावी है। छोटे जल प्रवाह मार्गों और मौसमी नालों पर बने चेक डैम पानी के प्रवाह को धीमा कर भूजल पुनर्भरण को बढ़ाते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र में इनके सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं। सोख्ता गड्ढे कम लागत वाले लेकिन अत्यंत प्रभावी समाधान हैं। इनमें वर्षा जल जमा होकर धीरे-धीरे जमीन में समा जाता है।इन उपायों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें किसी भी समुदाय द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अपनाया जा सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं।वर्षा जल संचयन का एक बड़ा लाभ इसकी आर्थिक व्यवहार्यता है। बड़े बांध, पाइपलाइन नेटवर्क, पंपिंग स्टेशन और जल शोधन संयंत्रों पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। इसके विपरीत, वर्षा जल संचयन की अनेक प्रणालियाँ कम खर्च में स्थापित की जा सकती हैं। स्टॉर्मवॉटर ड्रेन में ईंटों के माध्यम से जल संचयन की व्यवस्था अत्यंत कम लागत में तैयार की जा सकती है। हालांकि बड़ी परियोजनाओं में निवेश अधिक हो सकता है, लेकिन उनके लाभ दीर्घकालिक और बहुआयामी होते हैं। जब घर और संस्थान वर्षा जल का उपयोग करने लगते हैं, तो नगरपालिका जलापूर्ति पर निर्भरता कम होती है। भूजल स्तर बढ़ने पर पानी निकालने के लिए कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इससे किसानों और उद्योगों की लागत घटती है। वर्षा जल संचयन से जलभराव और शहरी बाढ़ का जोखिम कम होता है। इससे सड़क, भवन और अन्य बुनियादी ढाँचे को होने वाली क्षति में कमी आती है। आज पर्यावरण-अनुकूल भवनों की मांग बढ़ रही है। जब नागरिक स्थानीय स्तर पर पानी का संरक्षण करते हैं, तो सरकारों को महंगी जलापूर्ति परियोजनाओं पर कम खर्च करना पड़ता है। यह केवल पर्यावरण संरक्षण का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी अत्यंत समझदारी भरा निवेश है। स्वच्छ जल के लिए सामूहिक जिम्मेदारी आवश्यक है। जल संरक्षण तभी सफल होगा जब जल की गुणवत्ता भी सुरक्षित रहे। केवल पानी बचाना पर्याप्त नहीं है; उसे स्वच्छ बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए जल की बर्बादी रोकना। रिसाव वाले पाइप और नलों की मरम्मत करना। कचरे और रसायनों का उचित निस्तारण। सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को जल स्रोतों में जाने से रोकना। जल गुणवत्ता की नियमित जांच। जल स्रोतों को अतिक्रमण और प्रदूषण से बचाना।समुदायों में जागरूकता बढ़ाना है। जल प्रबंधन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह समाज, उद्योग, नागरिक संगठनों और प्रत्येक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है। जलवायु परिवर्तन के दौर में जल संरक्षण की अनिवार्यता है। जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे सूखे पड़ रहे हैं। शहरों में अचानक भारी वर्षा के कारण फ्लैश फ्लड और जलभराव आम हो चुके हैं। भारी वर्षा के समय यह अतिरिक्त पानी को संग्रहित और अवशोषित करता है, जबकि सूखे के समय यही पानी जल सुरक्षा प्रदान करता है। इस प्रकार वर्षा जल संचयन केवल जल संरक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जलवायु अनुकूलन और शहरी क्षमता वर्धन की एक महत्वपूर्ण रणनीति है। अब नीति स्तर पर निर्णायक कदम उठाने होंगे। व्यक्तिगत प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन व्यापक परिवर्तन के लिए नीति समर्थन आवश्यक है। सभी नए भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य किया जाए। सड़कों, पार्कों, विद्यालयों और सरकारी भवनों में भूजल पुनर्भरण संरचनाएँ विकसित की जाएँ। स्टॉर्मवॉटर ड्रेन्स को रिचार्ज सिस्टम में बदला जाए। शहरी विकास योजनाओं में प्राकृतिक जल निकासी और पुनर्भरण क्षेत्रों को संरक्षित किया जाए। नागरिकों को कर छूट और वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएँ। विद्यालयों में जल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वर्षा जल संचयन को शहरों की मास्टर प्लानिंग और जलवायु संकट रणनीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। हर बूंद को बचाने का समय आ गया है। भारत का जल भविष्य केवल विशाल बांधों और महंगी परियोजनाओं पर निर्भर नहीं रह सकता। इसके लिए विकेंद्रीकृत, सामुदायिक और प्रकृति-आधारित समाधानों की आवश्यकता है। जल निकासी नालों में वर्षा जल संचयन ऐसा ही एक समाधान है। नवाचार के माध्यम से हम बहते हुए पानी को बचा सकते हैं, भूजल को पुनर्जीवित कर सकते हैं, बाढ़ को कम कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बारिश का बहता हुआ पानी भविष्य की प्यास बुझाने वाली अमूल्य संपदा है। वह किसानों की आशा है, शहरों की जल सुरक्षा है और आने वाली पीढ़ियों का जीवन है। भारत के जल संकट का समाधान आसमान से बरसने वाली हर बूंद में छिपा है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम उसे बहने देने के बजाय संजोना सीखें। क्योंकि अंततः जल संरक्षण का सबसे बड़ा सिद्धांत यही है।

"हर बूंद की कीमत है, और हर बूंद को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।"

(लेखक के निजी विचार है)

नेपाल में बाढ़ : चीन की जिद से तिब्बत में बदलता हिमालय और भारत तक मंडराता खतरा

■ विनोद पाठक

पड़ोसी देश नेपाल के रसुवा जिले में आई अचानक बाढ़ या कहें सुनामी ने एक बार फिर हिमालय की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। तिब्बत की तरफ से आए तेज पानी ने सीमावर्ती इलाकों में भारी नुकसान किया। सड़कें और पुल टूट गए। पनबिजली परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। कई इलाकों का संपर्क भी टूट गया। इस घटना की वजह अभी पूरी तरह साफ नहीं है। हालांकि, शुरुआती आकलन में हिमस्खलन, चट्टानों के खिसकने और ग्लेशियर से जुड़े जलभराव की आशंका जताई गई है। इसलिए इस बाढ़ को सीधे चीन के निर्माण कार्यों का नतीजा कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इस घटना ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है। क्या तिब्बत में तेजी से हो रहा निर्माण और बदलता मौसम आने वाले समय में हिमालयी इलाकों के लिए खतरा बढ़ा रहे हैं? यह सवाल केवल नेपाल का नहीं है। इसका सीधा संबंध भारत से भी है।

दरअसल, तिब्बत को अक्सर एशिया का 'वाटर टॉवर' कहा जाता है। यहां से निकलने वाली कई बड़ी नदियां भारत, नेपाल, बांग्लादेश और दूसरे देशों तक जाती हैं। इन नदियों का पानी खेती, पीने के पानी और बिजली के लिए बेहद जरूरी है। समस्या यह है कि हिमालय तेजी से बदल रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पास नई झीलें बन रही हैं। इन झीलों के अचानक टूटने पर नीचे के इलाकों में कुछ ही घंटों में बड़ी बाढ़ आ सकती है। यही कारण है कि हिमालय में होने वाली हर बड़ी प्राकृतिक घटना को गंभीरता से देखने की जरूरत है।

एक तथ्य यह भी है कि चीन तिब्बत में सड़कें, रेलवे, सुरंगें और बांध बना रहा है। इसका एक बड़ा कारण सीमावर्ती क्षेत्रों को बेहतर तरीके से जोड़ना और ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना है। यारलुंग त्सांगपो नदी पर चीन की विशाल पनबिजली परियोजना इसका बड़ा उदाहरण है। यह नदी भारत में प्रवेश करने के बाद ब्रह्मपुत्र कहलाती है। चीन का कहना है कि ऐसी परियोजनाएं उसके विकास और ऊर्जा जरूरतों के लिए जरूरी हैं, लेकिन भारत और नेपाल के लिए चिंता का विषय यह है कि इन परियोजनाओं का असर नीचे की ओर बहने वाले पानी पर क्या होगा? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हिमालय का भूगोल बेहद संवेदनशील है। यहां बड़े पैमाने पर पहाड़ काटने, सुरंग बनाने और निर्माण करने से भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए सवाल चीन के विकास करने के अधिकार का नहीं है। सवाल है कि क्या इतना बड़ा निर्माण पर्याप्त पर्यावरणीय सावधानी के साथ हो रहा है?

दूसरा, सीमा पार नदियों के मामले में सबसे जरूरी चीज समय पर जानकारी है। यदि ऊपर के इलाके में अचानक ग्लेशियर झील टूटती है या पानी का बहाव बहुत बढ़ता है तो नीचे बसे देशों को तुरंत सूचना मिलनी चाहिए। भारत और चीन के बीच नदियों के जलस्तर और बहाव से जुड़े आंकड़े साझा करने की व्यवस्था रही है, लेकिन कई बार इस व्यवस्था में रुकावट आई है। यह स्थिति चिंता पैदा करती है, क्योंकि बाढ़ आने के बाद जानकारी मिलने का कोई फायदा नहीं। जानकारी बाढ़ आने से पहले चाहिए। नेपाल और भारत को समय रहते पता हो कि ऊपर के क्षेत्र में क्या हो रहा है तो हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। रसुवा की घटना में नेपाल को भारी नुकसान हुआ है। सीमावर्ती सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। पनबिजली परियोजनाओं पर भी असर पड़ा है। नेपाल की समस्या यह है कि उसके पास संसाधन सीमित हैं। पहाड़ी इलाकों में सड़क या पुल बनाना पहले ही महंगा है। बार-बार प्राकृतिक आपदाओं में वही ढांचा टूट जाए तो देश की अर्थव्यवस्था पर बड़ा बोझ पड़ता है। नेपाल को इस मामले में चीन से सीधे टकराव की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी जानकारी जरूर मांगनी चाहिए। उसे यह जानने का अधिकार है कि सीमा के दूसरी तरफ कौन-से बड़े निर्माण हो रहे हैं? उनका पानी तथा पर्यावरण पर क्या असर पड़ सकता है।

नेपाल में आने वाली बड़ी बाढ़ का असर भारत तक पहुंच सकता है। नेपाल की नदियां आगे चलकर भारत की नदी प्रणालियों से जुड़ती हैं। अचानक बहुत ज्यादा पानी आने पर बिहार और उत्तर प्रदेश के कई इलाके प्रभावित हो सकते हैं। बाढ़ के साथ पहाड़ों से आने वाला मलबा भी बड़ी समस्या बनता है। पत्थर, मिट्टी और पेड़ों का मलबा पुलों और बैराजों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए भारत को केवल बाढ़ आने के बाद राहत देने पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उसे पहले से तैयारी करनी होगी।

आखिर भारत को क्या करना चाहिए? सबसे पहले भारत को नेपाल के साथ अपनी आपदा चेतावनी व्यवस्था और मजबूत करनी चाहिए। कुछ जरूरी कदम साफ हैं, जैसे ग्लेशियर झीलों की लगातार उपग्रह से निगरानी हो। नेपाल और भारत के बीच पानी और मौसम की जानकारी तुरंत साझा हो। सीमा के पास सेंसर और चेतावनी केंद्र बढ़ाए जाएं। पुलों और बैराजों की सुरक्षा की नियमित जांच हो। चीन से जल संबंधी आंकड़े लगातार साझा करने की मांग की जाए। बड़े बांध और निर्माण कार्य शुरू होने से पहले उनके पर्यावरणीय प्रभाव की गंभीर जांच हो। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में बड़ी पनबिजली परियोजनाओं की योजना बनाई है, लेकिन भारत को भी यह ध्यान रखना होगा कि विकास के नाम पर हिमालय की प्राकृतिक व्यवस्था को नुकसान न पहुंचे। स्पष्ट है कि चीन की गलती का जवाब भारत को अपनी गलती करके नहीं देना चाहिए। भारत, नेपाल और चीन के बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं। सीमा विवाद भी हो सकते हैं, लेकिन नदियों का पानी इन विवादों को नहीं मानता। एक ग्लेशियर झील टूटती है तो पानी कुछ ही समय में सीमा पार कर जाता है। इसलिए तीनों देशों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच एक स्थायी व्यवस्था बननी चाहिए। इसमें ग्लेशियर, मौसम, नदी के पानी और संभावित बाढ़ की जानकारी साझा की जानी चाहिए। अगर किसी इलाके में बड़ा खतरा दिखाई दे तो पड़ोसी देशों को पहले ही चेतावनी मिलनी चाहिए। यह व्यवस्था किसी देश के खिलाफ नहीं होगी। इसका उद्देश्य केवल लोगों की जान बचाना होगा।

वैसे, हिमालय में सड़कें चाहिए। पुल चाहिए। बिजली चाहिए। रोजगार चाहिए। विकास भी चाहिए, लेकिन पहाड़ों के साथ विकास की एक सीमा होती है। बार-बार पहाड़ काटना, बड़ी सुरंगें बनाना और प्राकृतिक जलधाराओं से छेड़छाड़ करना लंबे समय में भारी पड़ सकता है। आज जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और बढ़ा दिया है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और मौसम का मिजाज बदल रहा है। ऐसे समय में हिमालय को केवल विकास के क्षेत्र के रूप में देखना सही नहीं होगा। इसे एक जीवित और संवेदनशील प्राकृतिक व्यवस्था के रूप में समझना होगा। रसुवा की बाढ़ को केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना ठीक नहीं होगा। यह पूरे हिमालय के लिए एक चेतावनी है। इस घटना से एक बात साफ है, हिमालय में होने वाली किसी भी हलचल का असर सीमा पार तक पहुंच सकता है। चीन को अपने निर्माण कार्यों में अधिक पारदर्शिता दिखानी चाहिए। नेपाल को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी जानकारी मांगनी चाहिए। भारत को अपनी निगरानी और चेतावनी व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। आखिर में बात केवल बांध, सड़क या सीमा की नहीं है। बात उन करोड़ों लोगों की है, जिनका जीवन हिमालय की नदियों से जुड़ा है। हिमालय को जीतने की नहीं, बचाने की जरूरत है। विकास हो, लेकिन प्रकृति को साथ लेकर। यही आने वाले समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

(लेखक के निजी विचार है)

आखिर कब तक रुक पाएगी डायन प्रथा?

■ अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने डायन प्रथा पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि डायन बताकर महिलाओं को प्रताड़ित करने जैसी कुप्रथाएं कानून के शासन और संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों के बावजूद जारी रहीं, तो संवैधानिक लोकतंत्र कायम नहीं रह सकता। यह टिप्पणी ओडिशा में 1998 के एक मामले में की गई थी, जिसमें एक महिला को उसके घर से घसीटकर बाहर निकाला गया और उस पर डायन होने का आरोप लगाते हुए बेरहमी से पिटाई की गई। इससे महिला की मौत हो गई थी। कोर्ट ने कहा कि हम केवल इतना कहना चाहेंगे कि इस मामले के तथ्यों ने इस कोर्ट की अंतरात्मा को गहराई से झकझोर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक असहाय महिला को डायन बताया गया। उसकी बेटी पर उस घटना का क्या असर हुआ होगा, जिसने अपनी मां को बेहद क्रूर तरीके से मारे जाते हुए देखा, यह बेहद पीड़ादायक है। पीठ ने कहा कि देश के संविधान में ऐसे समाज की परिकल्पना की गई है, जो समानता, बंधुत्व और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सिद्धांतों पर आधारित हो और महिलाओं के प्रति अपमानजनक किसी भी प्रथा को त्याग दिया जाए। इसके बाद भी समाज के कुछ वर्गों में डायन बताकर महिलाओं को प्रताड़ित करने जैसी कुप्रथाएं अब भी जारी हैं। हमारे जैसे संवैधानिक लोकतंत्र में ऐसी व्यवस्था कायम नहीं रह सकती, जहां इस तरह की अपमानजनक कुप्रथाएं कानून के शासन और संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों से बचती रहें। इधर, राजस्थान के भरतपुर जिले के भुसावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छोकरवाड़ा कलां गांव में एक महिला को डायन बताकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटने का सनसनीखेज मामला सामने आया। गांव के कुछ असामाजिक तत्वों ने अंधविश्वास के चलते महिला पर जानलेवा हमला किया। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी जुटाई। घायल पीड़ित महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस इस अंधविश्वास से जुड़े मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। यह घटना साबित करती है कि 21वीं सदी में भी महिलाओं को डायन बताकर उन्हें प्रताड़ित किए जाने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह हाल तब है, जब राजस्थान में इस प्रथा के खिलाफ कठोर कानून है। डायन प्रथा को डाकन प्रथा के नाम से भी जाना जाता है। डायन प्रथा एक गंभीर सामाजिक कुरीति और अंधविश्वास है। इसमें मुख्य रूप से ग्रामीण या पिछड़े क्षेत्रों में निर्दोष महिलाओं विशेषकर विधवा, गरीब या अकेली महिलाओं पर जादू-टोना करने या बुरी ताकतों से बच्चों व समाज को नुकसान पहुंचाने का झूठा आरोप लगाया जाता है। इसके बाद उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। इस प्रथा का मुख्य कारण अंधविश्वास और अज्ञानता है। इसमें बीमारी, प्राकृतिक आपदा या मौत का जिम्मेदार महिलाओं को मान लिया जाता है। अकेली या विधवा महिलाओं की जमीन-जायदाद पर कब्जा करने की कोशिश की जाती है। पुरानी रंजिश या आपसी दुश्मनी निकाली जाती है। महिलाओं पर अत्याचार करते हुए उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित और कलंकित किया जाता है। उन्हें गांव से बहिष्कृत कर दिया जाता है। उनके साथ मारपीट की जाती है। कई मामलों में भीड़ द्वारा निर्दोष महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान, झारखंड, असम, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में डायन प्रथा का सबसे ज्यादा प्रचलन है। विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता व शिक्षा के अभाव और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी ने इस प्रथा को बढ़ावा दिया है। ग्रामीण इलाकों में छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए ओझा के पास जाने वाले लोगों को यह बताया जाता है कि उन पर किसी भूत-प्रेत का साया है और उसके लिए कोई महिला जिम्मेदार है। इसके बाद उस महिला की प्रताड़ना शुरू हो जाती है। यह उसकी हत्या पर जाकर खत्म होता है। कई मामलों में तो किसी खास इलाके में बाढ़ व सूखे के लिए भी किसी महिला को जिम्मेदार ठहराकर उसकी हत्या कर दी जाती है। कुछ मामलों में लोग दुश्मनी निकालने के लिए भी किसी ओझा के साथ मिलकर इस प्रथा की आड़ में संबंधित महिला को डायन करार देते हैं। इस तरह यह दकियानूसी प्रथा जारी रहती है। डायन प्रथा को रोकने के लिए केंद्र सरकार के स्तर पर कोई विशिष्ट केंद्रीय कानून नहीं है। वर्ष 2016 में लोकसभा में द प्रिवेंशन ऑफ विच-हंटिंग बिल पेश किया गया था, लेकिन वह पारित नहीं हो सका। केंद्र सरकार का कानून न होने के कारण ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता और भारतीय दंड संहिता की सामान्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जाती है। हालांकि कुछ राज्यों जैसे राजस्थान, झारखंड, असम, छत्तीसगढ़ और बिहार में कड़े डायन विरोधी कानून हैं। इसके तहत इसे एक गंभीर और गैर-जमानती अपराध माना गया है। इस अमानवीय प्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए राजस्थान सरकार ने डायन-प्रताड़ना निवारण अधिनियम लागू किया है। इस कड़े कानून के तहत डायन बताने या प्रताड़ित करने वाले दोषियों के लिए सात साल तक कारावास या गंभीर मामलों में आजीवन कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान है। कानून में पीड़ितों के पुनर्वास और सहायता का भी निर्देश है। असल में तमाम प्रगति के बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में अब भी अंधविश्वास कायम है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल है डायन प्रथा और उसके नाम पर लगातार होने वाली हत्याएं। विशेषज्ञों का कहना है कि डायन प्रथा के मामले में सरकारी प्रयास नाकाफी हैं। जागरूकता अभियान लगातार लंबे समय तक चलाना जरूरी है। इस दिशा में काम कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सुदूर गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस काम किए बिना अंधविश्वास नहीं मिट सकता।

(लेखक के निजी विचार है)

अंधेरी जिंदगी में भरे उजाला

■ बाल मुकुन्द ओझा

देश में हर वर्ष 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाता है। इस वर्ष 41वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। हर स्वस्थ व्यक्ति जिसके नेत्र सही हैं, नेत्रदान की घोषणा कर सकता है। इसके लिए एक शपथ-पत्र भरना होता है जो प्रायः सभी शासकीय चिकित्सालयों, निजी नेत्र विशेषज्ञों के पास उपलब्ध होता है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल 25-30 हजार कॉर्निया प्रत्यारोपण होते हैं, जबकि आवश्यकता 1 से 1.5 लाख की है। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा शुरू होने से दान की दर में वृद्धि हुई है, लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। आंखें स्वस्थ न हों तो संसार की सारी खूबसूरती बेमानी लगती हैं। फिर भी हम अपनी आंखों का पर्याप्त खयाल नहीं रख पाते। कई बार देखा गया है आँख में धूल अथवा अन्य किसी कारण से एलर्जी हो जाती है तो हम कितने बेचैन हो जाते है। इसलिए यह सच ही कहा गया है की आँख है तो जहान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कॉर्निया की बीमारियां मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद होने वाली दृष्टि हानि और अंधापन के प्रमुख कारणों में से एक हैं। ज्यादातर मामलों में दृष्टि की हानि को 'नेत्रदान' के माध्यम से उपचारित किया जा सकता है। किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके बिभिन्न अंगों को दान किया जा सकता हैं तथा उन अंगों को उन रोगियों में प्रत्यारोपित किया जा सकता है, जिन्हें उन अंगों की आवश्यकता है। ऐसा ही एक अंग 'आंख' है। मृत्यु के बाद नेत्रदान से कार्निया रहित अंधा व्यक्ति शल्य प्रक्रिया के माध्यम से कार्निया प्रत्यारोपण द्वारा फिर से देख सकता हैं, जिसमें क्षतिग्रस्त कॉर्निया की जगह पर नेत्रदाता के स्वस्थ कॉर्निया को प्रतिस्थापित किया जाता है। हमारे सभी धर्मों में दया, परोपकार, जैसी मानवीय भावनाएं सिखाई जाती हैं। यदि हम अपने नेत्रदान करके मरणोपरांत किसी की निष्काम सहायता कर सकें तो हम अपने धर्म का पालन करेंगे क्योकि इसमें कोई भी स्वार्थ नहीं है इसलिये यह महादान माना जाता है। नेत्रदान करने वाले व्यक्ति की मृत्यु के 6 से 8 घंटे के अंदर ही नेत्रदान कर देना चाहिए। जिस व्यक्ति को नेत्रदान के कॉर्निया का उपयोग करना है, उसे 24 घंटे के भीतर ही कॉर्निया प्रत्यारोपित कराना जरूरी होता है। नेत्रदान का मतलब शरीर से पूरी आंख निकालना नहीं होता। इसमें मृत व्यक्ति की आखों के कॉर्निया का उपयोग किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्वभर में लगभग 285 मिलियन लोग नेत्रहीन हैं। इनमें से 39 लाख लोग अंधे और 246 मिलियन लोग मध्यम या गंभीर दृष्टि दोष वाले है।

(लेखक के निजी विचार है)

सीतारमण ने कनाडाई वित्तीय संस्थानों को भारत में बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

टोरंटो. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कनाडाई वित्तीय संस्थानों से भारत के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश का आह्वान किया।

सीतारमण ने यहां उच्च स्तरीय भारत–कनाडा बिजनेस राउंडटेबल को संबोधित किया। इस अवसर पर कनाडा के वित्त एवं राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन भी उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री ने कनाडाई वित्तीय संस्थानों को गिफ्ट आईएफएससी में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। गिफ्ट आईएफएससी भारत में सीमा-पार वित्तीय गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। उन्होंने बैंकिंग, फंड मैनेजमेंट, पुनर्बीमा, सतत वित्त, वैश्विक क्षमता केंद्रों तथा विमान और जहाज लीजिंग जैसे क्षेत्रों में भी अवसरों पर जोर दिया। बैठक में कनाडा और भारत के नीति-निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों, बैंकिंग क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने भारत के वित्तीय पारितंत्र में जारी बदलाव पर भी प्रकाश डाला। पूंजी बाजारों का विस्तार, बीमा क्षेत्र की बढ़ती पहुंच, फिनटेक में नवाचार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे वैश्विक निवेशकों और संस्थानों के लिए नये अवसर पैदा कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है। परिवहन, ऊर्जा, शहरी और डिजिटल बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक संस्थागत पूंजी के लिए बड़े पैमाने पर निवेश अवसर तैयार हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने राष्ट्रीय निवेश एवं संरचना कोष (एनआईआईएफ) को एक व्यावसायिक दृष्टिकोण से संचालित मंच बताया, जो वैश्विक संस्थागत पूंजी को भारत के बुनियादी ढांचे और विकास के अवसरों से जोड़ता है। इसमें अवसंरचना कोष 2 और निजी बाजार कोष 2 के माध्यम से निवेश के अवसर भी शामिल हैं। उन्होंने कनाडाई पेंशन निधियों, संस्थागत निवेशकों और व्यवसायों से भारत के साथ अपने मौजूदा जुड़ाव को और मजबूत करने तथा बुनियादी ढांचा, ऊर्जा परिवर्तन, विनिर्माण, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, उभरती प्रौद्योगिकियों और मध्यम स्तरीय बाजार व्यवसायों जैसे क्षेत्रों में नये अवसर तलाशने का आग्रह किया। सीतारमण ने पिछले एक दशक में भारत में हुए सुधार-आधारित बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा, दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, 4आर रणनीति और अन्य सुधारों ने बैंकिंग प्रणाली को मजबूत किया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 729 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 12.422 अरब डॉलर बढ़कर 729.328 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार का पिछला रिकॉर्ड स्तर 728.494 अरब डॉलर था जो 27 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया था।
विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। इस दौरान इसमें 62.39 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.482 अरब डॉलर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 591.333 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा यूरो, जापानी येन और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं।
इनके मूल्य का निर्धारण डॉलर के मुकाबले इनके संदर्भ के आधार पर किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.801 अरब डॉलर बढ़कर 114.218 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह 05 जून 2026 के बाद का इसका उच्चतम स्तर है।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.925 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 11.2 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 18.852 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार की वृद्धि में रिजर्व बैंक की 08 जून को घोषित स्वैप फैसिलिटी का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

न्यूज गैलरी

औद्योगिक उत्पादन जुलाई में 6.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। खनन को छोड़कर सभी क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर देश के औद्योगिक उत्पादन में जुलाई में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, इस साल जून में औद्योगिक वृद्धि दर 8.8 प्रतिशत और पिछले साल जुलाई में 5.4 प्रतिशत रही थी। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जुलाई में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रही। यह एक साल पहले के 5.1 प्रतिशत से अधिक है। सकल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इसका भारांश 76 प्रतिशत से अधिक है।

बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत और जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन की वृद्धि दर 5.4 फीसदी दर्ज की गयी। वहीं, विनिर्माण के बाद सबसे ज्यादा 11 प्रतिशत से ऊपर भारांश रखने वाले खनन क्षेत्र में एक साल पहले के मुकाबले 0.9 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। इसमें पिछले साल जुलाई में 10.7 प्रतिशत और इस साल जून में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि रही थी। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में अप्रैल से जुलाई के बीच औद्योगिक उत्पादन में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। एक साल पहले इसी अवधि में इसमें चार प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन सात प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन का सूचकांक 6.3 प्रतिशत बढ़ा। खनन क्षेत्र में सालाना आधार पर 1.1 प्रतिशत की गिरावट रही। विनिर्माण क्षेत्र के तहत 23 प्रमुख वर्गों में से 19 में उत्पादन बढ़ा है।

शेयर बाजारों में लौटी रौनक सेंसेक्स 331 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी। आईटी सेक्टर में लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 331 अंक की तेजी में बंद हुआ।

पिछले दो दिन की गिरावट से उबरता हुआ सेंसेक्स आज 330.92 अंक (0.43 प्रतिशत) चढ़कर 77,264.51 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी–50 सूचकांक भी 84.80 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की बढ़त में 24,175.65 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप–50 सूचकांक 0.24 प्रतिशत और स्मॉलकैप–100 सूचकांक 0.20 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटी कंपनियों में जबरदस्त लिवाली देखी गयी। निफ्टी आईटी सूचकांक 3.51 प्रतिशत उछल गया। धातु, फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों में भी अच्छी तेजी रही। एफएमसीजी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों में गिरावट देखी गयी। सेंसेक्स में बढ़त में रहने वाली शीर्ष चार कंपनियां आईटी सेक्टर की ही रहीं। टीसीएस का शेयर चार प्रतिशत से अधिक चढ़ा।

पहली बार देश के 90 प्रतिशत लोगों के पास मोबाइल कनेक्शन

नई दिल्ली. देश में मोबाइल सबस्क्राइबरों की संख्या जुलाई में बढ़कर 128.79 करोड़ पर पहुंच गयी और इसके साथ ही पहली बार देश की आबादी की तुलना मोबाइल सबस्क्राइबरों की संख्या (मोबाइल टेली-डेंसिटी) 90 प्रतिशत हो गयी है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई के अंत में देश में 128 करोड़ 79 लाख से अधिक मोबाइल सबस्क्राइबर थे। यह जून 2026 के 128.24 करोड़ की तुलना में 0.43 प्रतिशत अधिक है। ट्राई ने बताया कि मोबाइल टेली-डेंसिटी पहली बार 90 प्रतिशत के पार पहुंच गयी है। जुलाई में 90.04 प्रतिशत दर्ज की गयी। जून में आबादी की तुलना में 89.71 प्रतिशत मोबाइल सबस्क्रिप्शन थे। शहरी इलाकों में मोबाइल सबस्क्राइबरों की संख्या 73.94 करोड़ से बढ़कर 74.37 करोड़ पर पहुंच गयी। ग्रामीण इलाकों में सबस्क्राइबरों की संख्या 54.30 करोड़ से बढ़कर 54.43 करोड़ हो गयी। इनकी संख्या क्रमशः 0.57 प्रतिशत और 0.24 प्रतिशत बढ़ी। शहरी इलाकों में आबादी से 44 प्रतिशत ज्यादा मोबाइल सबस्क्रिप्शन थे। वहीं ग्रामीण इलाकों में मात्र मोबाइल टेली-डेंसिटी 60 प्रतिशत रही यानी आबादी से 40 प्रतिशत कम मोबाइल कनेक्शन। रिपोर्ट से पता चलाता है कि जुलाई में एयरटेल के सबस्क्राइबरों की संख्या 26.88 लाख बढ़ी। रिलायंस जियो के ग्राहक 24.47 लाख बढ़े।

इंडिगो वेंचर्स ने विमानन क्षेत्र में एआई को बढ़ावा देने के लिए सर्वम में किया निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो की कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल शाखा इंडिगो वेंचर्स ने विमानन कारोबार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को एआई कंपनी सर्वम में निवेश किया। कंपनी ने बताया कि यह निवेश सर्वम के सीरीज बी फंडिंग राउंड के तहत किया गया है। यह इंडिगो और सर्वम के बीच पहले से मौजूद साझेदारी को और मजबूत करता है। दोनों कंपनियां एआई तकनीकों के माध्यम से एयरलाइन में ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, कर्मचारियों को अधिक सक्षम बनाने और जटिल परिचालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। यह निवेश इंडिगो में एआई आधारित नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता को गति देने के लिए एक दीर्घकालिक मंच तैयार करता है। इंडिगो के मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा ने कहा, ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से विमानन उद्योग की एक मूलभूत क्षमता बनती जा रही है। यह ग्राहक अनुभव, कार्यबल की उत्पादकता और परिचालन संबंधी निर्णय लेने की प्रक्रिया को नया रूप दे रही है। सर्वम के साथ हमारी साझेदारी से इंडिगो को देश में विकसित और बाजार की जरूरतों के अनुरूप तैयार अत्याधुनिक एआई क्षमताओं तक पहुंच मिलती है। इन तकनीकों को अपनी परिचालन विशेषज्ञता और व्यापक क्षमता के साथ जोड़कर हम नवाचार को तेज कर सकते हैं और अपने ग्राहकों, कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य तैयार कर सकते हैं।

जापान में निप्पॉन पेंट के शीर्ष अधिकारियों ने गोयल से की मुलाकात, भारत में सतत निवेश की जताई प्रतिबद्धता

ओसाका (जापान), एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की चार दिवसीय जापान यात्रा पर निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स के शीर्ष अधिकारियों और निप्पॉन पेंट इंडिया के प्रबंध निदेशक शरद मल्होत्रा ने उनसे मुलाकात की। निप्पॉन पेंट इंडिया निपसिया ग्रुप का हिस्सा है जो जापानी कंपनी निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स की सहायक कंपनी है।
बैठक में पेंट्स एवं कोटिंग्स उद्योग में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करने के अवसरों के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ रहे विनिर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर चर्चा हुई। निप्पॉन पेंट के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री मल्होत्रा और निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स के निदेशक, रिप्रेजेंटेटिव एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एवं सह-अध्यक्ष युइचिरो वाकात्सुकी ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय बाजार में कंपनी के निरंतर निवेश और विकास की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।
बैठक के बाद श्री वाकात्सुकी ने कहा, ''निप्पॉन पेंट के लिए भारत लगातार सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक बना हुआ है। जैसे-जैसे देश की विनिर्माण और बुनियादी ढांचा संबंधी महत्वाकांक्षाएं तेज हो रही हैं, हमें अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने तथा भारत के कोटिंग्स उद्योग में सार्थक योगदान देने के महत्वपूर्ण अवसर दिखाई दे रहे हैं। मंत्री (पीयूष) गोयल के साथ यह बैठक भारत-जापान साझेदारी की मजबूती को दर्शाती है और हम भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। श्री मल्होत्रा ने कहा कि कंपनी का ध्यान भारत में पेंट के सभी सेगमेंट में अपनी पहुंच और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर है। कंपनी ऐसा व्यवसाय तैयार कर रही है जो वैश्विक स्तर पर निप्पॉन पेंट के आकार और क्षमता के अनुरूप हो। इसके साथ ही भारत में अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

खबरें जरा हटके

जापान में 1 लीटर दूध 168 रुपये, 2 प्याज 150 रुपये

भारतीय ने बताया 25 दिन का कुल खर्च, जान हैरान हुए लोग!

विदेश जाकर नौकरी करने का सपना आज बहुत से युवाओं का है। अच्छी सैलरी, बेहतर सुविधाएं और नई जिंदगी का अनुभव लोगों को अपनी ओर खींचता है। लेकिन विदेश में कदम रखते ही एक चीज का सामना हर किसी को करना पड़ता है और वह है महंगा लाइवलीहुड। जापान में रह रहे एक भारतीय युवक ने जब अपने शुरुआती 25 दिनों का खर्च जोड़ा, तो वह खुद भी हैरान रह गया। सिर्फ जरूरी खर्चों में ही करीब 90 हजार रुपये निकल गए और खास बात यह है कि इसमें खाना और रोजमर्रा की खरीदारी का खर्च शामिल ही नहीं था। जापान में रह रहे देव विजय वर्गिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर वहां अपने खर्चों का पूरा हिसाब बताया। उन्होंने बताया कि जापान पहुंचे अभी उन्हें एक महीना भी पूरा नहीं हुआ, लेकिन इस दौरान उन्हें कई तरह के बिल मिल चुके हैं और खर्च उनकी तय बजट सीमा से ऊपर जा चुका है।

25 दिन में खर्च हो गए करीब 90 हजार रुपये–देव ने बताया कि जापान पहुंचने के बाद 25 दिनों में उनके जरूरी खर्च करीब 1.5 लाख येन तक पहुंच गए। भारतीय मुद्रा में यह रकम लगभग 90,271 रुपये बैठती है। इस रकम में घर का किराया, बिजली, गैस, पानी, Wi-Fi, SIM कार्ड और आने–जाने का खर्च शामिल था। यानी उन्होंने करीब 90 हजार रुपये सिर्फ उन चीजों पर खर्च किए, जिनके बिना जापान में रहना मुश्किल है। सबसे खास बात यह है कि इसमें खाने और रोजमर्रा की जरूरत का सामान शामिल नहीं था।

मेलबॉक्स में फिर आया बिल, तो बैठकर जोड़ लिया पूरा हिसाब–देव ने बताया कि एक दिन उन्हें अपने मेलबॉक्स में एक और बिल मिला। इसके बाद उन्होंने सोचा कि जापान आए अभी पूरा महीना भी नहीं हुआ और अब तक इतने बिल कैसे आ गए। उन्होंने जब एक–एक करके सभी खर्चों को जोड़ना शुरू किया तो पता चला कि 25 दिनों में ही जरूरी खर्च लगभग 90 हजार रुपये हो चुका है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी बताया कि जापान आने के बाद उनका काफी समय बिल भरने में ही निकल रहा है। यानी एक तरफ नई जगह और नई जिंदगी का अनुभव है, तो दूसरी तरफ हर कुछ दिनों में आने वाला नया बिल भी है।

खाने का खर्च अलग, रोजमर्रा की चीजें भी महंगी–देव ने साफ किया कि 90 हजार रुपये का आंकड़ा उनका कुल खर्च नहीं है। इसमें खाना और रोजमर्रा की चीजें शामिल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि जापान में खाने–पीने और रोज इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी अच्छी–खासी रकम खर्च होती है। ऐसे में अगर इन चीजों को भी जोड़ दिया जाए तो उनका कुल मासिक खर्च काफी ज्यादा हो सकता है। उन्होंने भारत और जापान में रोजमर्रा की कुछ चीजों की कीमतों की तुलना भी की, जिससे दोनों देशों के बीच खर्च का अंतर आसानी से समझ आता है।

1 लीटर दूध की कीमत करीब 168 रुपये
देव के मुताबिक, जापान में एक लीटर दूध की कीमत करीब 168 रुपये है, जबकि भारत में इसी मात्रा के दूध की कीमत लगभग 50 रुपये बताई गई। उन्होंने कुछ और चीजों की कीमत भी शेयर की।

।4 अंडे करीब 120 रुपये, ।2 प्याज करीब 150 रुपये, ।1 टमाटर करीब 53 रुपये, ।1 खरबूजा करीब 350 रुपये, ।3 केले करीब 120 रुपये–
इन कीमतों को देखकर भारत में रहने वाले लोगों के लिए जापान का रोजमर्रा का खर्च निश्चित तौर पर काफी ज्यादा लग सकता है। लेकिन सिर्फ महंगाई देखकर जापान को आंकना सही नहीं हालांकि देव ने यह भी कहा कि जापान की जिंदगी को सिर्फ महंगाई के नजरिए से देखना सही नहीं होगा। उनका कहना है कि जापान में खर्च ज्यादा है, लेकिन वहां मिलने वाली सैलरी भी भारत के मुकाबले काफी बेहतर है। यानी अगर किसी व्यक्ति की कमाई ज्यादा है तो अधिक खर्च के बावजूद उसकी जीवनशैली और बचत का हिसाब अलग हो सकता है।

मिस्र में आज जहां रेगिस्तान वहां करोड़ों साल पहले था समुद्र

अबू-तरतूर पठार पर मिली शार्क की कब्रगाह

मिस्र के सूखे रेगिस्तान में वैज्ञानिकों ने एक हैरान करने वाली खोज की है। इजिप्ट के अबू–तरतूर पठार पर एक प्राचीन शार्क कब्रिस्तान मिला है। यह जगह आज भले ही सूखी और बंजर है। लेकिन करोड़ों साल पहले यहां एक विशाल और गहरा समुद्र हुआ करता था। क्रेटेशियस काल में अफ्रीकी महाद्वीप का उत्तरी हिस्सा पूरी तरह से पानी में डूबा हुआ था। अब उसी प्राचीन समुद्र के तल में दफन शार्क के अनगिनत दांत मिले हैं। पैलियोन्टोलॉजिस्ट्स को खुदाई के दौरान शार्क की कम से कम सात अलग–अलग प्रजातियों के दांत मिले हैं। यह खोज इस बात का सबूत है कि प्राचीन समय में यहां मछलियों का एक बड़ा इकोसिस्टम मौजूद था। काहिरा यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इस इलाके में खुदाई करके कई अहम राज खोले हैं। ये शार्क जीवाश्म बताते हैं कि कभी यह रेगिस्तान खूंखार शिकारियों का घर हुआ करता था।

रेगिस्तान की रेत में कैसे मिले विशाल समुद्र के सबूत?
हमारी पृथ्वी आज जैसी दिखती है वैसी करोड़ों साल पहले नहीं थी। क्रेटेशियस काल के दौरान हमारी धरती का माहौल बहुत अलग था। करीब 145 से 66 मिलियन साल पहले धरती का तापमान काफी ज्यादा था। उस समय ध्रुवों पर बर्फ नाम मात्र की भी नहीं थी। इसके कारण समुद्र का जलस्तर आज के मुकाबले बहुत ज्यादा था। आज हम जिस जमीन पर रहते हैं उसका बड़ा हिस्सा पानी के नीचे था। इसमें उत्तरी अफ्रीका का बड़ा इलाका भी शामिल है। टेक्टोनिक प्लेट्स की गतिविधियों के कारण यहां एक बड़ा समुद्र बन गया था। अबू–तरतूर पठार उसी प्राचीन समुद्र का एक हिस्सा था। आज यह जगह भले ही रेगिस्तान में बदल चुकी है। लेकिन चट्टानों में दबे जीवाश्म अपने अंदर उस समय का पूरा इतिहास समेटे हुए हैं।

शार्क के दांतों ने वैज्ञानिकों को क्या नई जानकारी दी?
इस सूखी जमीन में फास्फेट के बड़े भंडार मौजूद हैं। फास्फेट वहां ज्यादा पाया जाता है जहां समुद्री जीवन बहुत सक्रिय होता है। डुवी फॉर्मेशन का फास्फेट भंडार प्राचीन समुद्र का एक बड़ा अवशेष है। यह उस समय के समुद्री पानी के बेहद उपजाऊ होने का पक्का सबूत भी देता है। काहिरा यूनिवर्सिटी के रिसर्चर तारेक यासीन की टीम ने यहां बड़ी खोज की है। 'क्रेटेशियस रिसर्च' में पब्लिश एक पेपर में उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताया है। पिछली रिसर्च में यासीन और उनके साथियों को शार्क की दो प्रजातियों के दांत मिले थे। यह एक बड़ा संकेत था कि उस समय समुद्र में कई बड़े शिकारी मौजूद थे। इसके बाद उन्होंने अबू–तरतूर में और ज्यादा गहराई से रिसर्च करने का फैसला किया।

डुवी फॉर्मेशन की काली और पीली परतों में क्या छिपा था?
रिसर्चर्स की टीम जब अबू–तरतूर वापस लौटी तो उन्हें बड़ी सफलता मिली। डुवी फास्फेट की काली और पीली परतों ने कई राज उगल दिए। उन्हें खुदाई में शार्क के 14 और दांत मिले। ये दांत शार्क की पांच नई प्रजातियों के थे। ये सभी प्रजातियां अबू–तरतूर में पहले कभी नहीं खोजी गई थीं। प्राचीन शार्क की पहचान करना काफी मुश्किल काम होता है। अक्सर वैज्ञानिकों के पास सबूत के तौर पर सिर्फ उनके दांत ही होते हैं। दांतों की बनावट में मामूली अंतर ही उनकी प्रजाति तय करता है। लेकिन डुवी से मिले दांतों में यह अंतर काफी साफ और स्पष्ट था। कुछ दांत सुई की तरह लंबे और पतले थे। जबकि कुछ चौड़े और किनारे से आरी जैसे थे। ये दांत शिकार को काटने के लिए बिल्कुल सही आकार के थे।
किस तरह के खूंखार शिकारी इस समुद्र में राज करते थे? एक दांत का आकार करमबिट चाकू की तरह घुमावदार था। दुनिया भर के जीवाश्म रिकॉर्ड के आधार पर इनकी पहचान की गई है। वैज्ञानिकों ने इन दांतों को पांच विलुप्त प्रजातियों का बताया है। इनमें क्रेटालम्ना सीएफ मैरोकाना और स्कैपानोरिन्चस सीएफ रैफियोडोन शामिल हैं। इसके अलावा सेराटोलम्ना सीएफ सेराटा और स्क्वैलिकोरैक्स की दो प्रजातियां भी मिली हैं। ये सभी पांचों प्रजातियां अबू–तरतूर के लिए बिल्कुल नए रिकॉर्ड हैं। इनमें से दो प्रजातियां तो पूरे इजिप्ट के लिए नई हैं। सुई जैसे दांतों वाली शार्क का मिलना सबसे ज्यादा हैरान करने वाला था। अफ्रीका में इस प्रजाति का यह पहला ज्ञात जीवाश्म हो सकता है। यह खोज वहां शार्क की कई प्रजातियों की मौजूदगी को साबित करती है। उस समय के खतरनाक शिकारी उस पानी में राज करते थे।

शार्क की ये प्रजातियां एक साथ कैसे सर्वाइव करती थीं?
ये शार्क आपस में शिकार के लिए नहीं लड़ती थीं। वे एक बड़े समुद्री वातावरण में अपनी अलग–अलग जगह बनाकर रहती थीं। उनके दांतों की बनावट उनके अलग शिकार के तरीके को बताती है। स्क्वैलिकोरैक्स की मौजूदगी बताती है कि वे किनारे के पास शिकार करती थीं। जबकि स्कैपानोरिन्चस गहरे पानी में रहने वाली शार्क थी। कुछ प्रजातियां खुले समुद्र में रहना ज्यादा पसंद करती थीं। इस में मछलियों और प्लैंकटन की कोई कमी नहीं थी। गहरे समुद्र से ऊपर आते पोषक तत्व पानी को उपजाऊ बनाते थे।
इससे छोटे जीवों की संख्या बढ़ती थी जो बड़ी मछलियों का शिकार बनते थे। और उन बड़ी मछलियों का शिकार ये खूंखार शार्क करती थीं। यह एक पूरा इकोसिस्टम था जो लाखों सालों तक यहां फलता–फूलता रहा।

क्या ये सभी शार्क एक ही समय में इस कब्रगाह में मरी थीं? शार्क का यह कब्रिस्तान कई मायनों में बहुत दिलचस्प है। जिस समय ये शार्क यहां रहती थीं तब वहां बहुत कम तलछट जमा होता था। इसलिए यह फास्फेट बेड एक लंबे समय को बहुत छोटी परत में दिखाता है। इस कब्रिस्तान में मिली सभी शार्क एक ही दिन में नहीं मरी थीं। असल में यह अलग–अलग समय में मरे हुए जीवों का एक बड़ा जमावड़ा है। यह बताता है कि उत्तरी अफ्रीका के किनारे पर ऐसे इकोसिस्टम बहुत आम थे। मोरक्को और सीरिया के फास्फेट भंडार भी इसी बात का इशारा करते हैं। आज उस शार्क स्वर्ग का कुछ भी बाकी नहीं बचा है। टेथिस सागर गायब हो चुका है और समुद्र तल रेगिस्तान बन गया है।

Jio IPO Approved:

37700 करोड़ का देश का सबसे बड़ा IPO लाएगा रिलायंस

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए एक धमाकेदार खबर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) की धाकड़ डिजिटल विंग, जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ (Jio IPO) जल्द ही बाजार में दस्तक देने वाला है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी (SEBI) ने इस मेगा आईपीओ को अपनी हरी झंडी दे दी है। यह कोई आम पब्लिक इश्यू नहीं है, बल्कि यह भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ (Biggest IPO in India) होने जा रहा है।

जियो प्लेटफॉर्म्स इस आईपीओ के जरिए शेयर बाजार से करीब 4 अरब डॉलर यानी लगभग 37,700 करोड़ रुपए का भारी-भरकम फंड जुटाने की तैयारी में है। कंपनी ने इसी साल जून में इसके लिए सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर (DRHP) जमा किए थे। 28 अगस्त को सेबी ने इस पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। नियम के मुताबिक, सेबी की मंजूरी मिलने के बाद अब कंपनी इस पब्लिक इश्यू को लॉन्च करने की अंतिम तैयारियों में जुट गई है।

कंपनी इस आईपीओ के तहत 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर (Fresh Issue) जारी करेगी। हालांकि, बाजार में आने वाले ये शेयर कंपनी की कुल इक्विटी का महज 2.9 प्रतिशत हिस्सा ही होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस आईपीओ के लिए जियो प्लेटफॉर्म्स का कुल वैल्यूएशन करीब 137 अरब डॉलर आंका गया है। इससे पहले माना जा रहा था कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का अपकमिंग आईपीओ (करीब 30,000 करोड़ रुपये) सबसे बड़ा होगा, लेकिन रिलायंस जियो ने उसे भी पीछे छोड़ दिया है। आम जनता से जुटाए गए इस हजारों करोड़ के फंड का इस्तेमाल मुख्य रूप से कर्ज का बोझ कम करने में किया जाएगा। जियो प्लेटफॉर्म्स की अहम सब्सिडियरी कंपनी, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (RJIL) के बचे हुए कर्जों का पूरी तरह या आंशिक भुगतान इसी पैसे से होगा। इसके अलावा कुछ पैसा कंपनी के सामान्य कॉरपोरेट कामकाज पर खर्च किया जाएगा।

दिग्गज निवेशकों का पहले से लगा है पैसा

जियो प्लेटफॉर्म्स का ट्रैक रिकॉर्ड ऐसा है कि दुनिया भर के बड़े इन्वेस्टर्स की इस पर पहले से ही पैनी नजर है। साल 2020 में ही कंपनी ने अपनी 9.99% हिस्सेदारी फेसबुक (META) को 43,574 करोड़ रुपए में बेची थी। वहीं, गूगल (Google) ने 33,737 करोड़ रुपए लगाकर 7.73% हिस्सेदारी खरीदी थी। इसके अलावा सिल्वर लेक, केकेआर (KKR), मुबाडाला, इंटेल और क्वालकॉम जैसे दिग्गज ग्लोबल निवेशकों के एक समूह ने भी 74,745 करोड़ रुपए का तगड़ा निवेश कर 15.2% हिस्सेदारी ली थी। वर्तमान में, रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास जियो प्लेटफॉर्म्स की 66.43% हिस्सेदारी है, जबकि मेटा और गूगल के पास कुल 17.71% शेयर हैं। अब बस निवेशकों को इस बात का इंतजार है कि जियो अपने इस 'महा-आईपीओ' का प्राइस बैंड और खुलने की तारीख कब घोषित करता है।

सीएम भजनलाल ने स्टूडेंट्स के साथ सुना माय भारत खेलो इंडिया संवाद

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। एसएस जैन सुबोध पीजी महाविद्यालय रामबाग में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'माय भारत खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम से जुड़कर उनका उद्बोधन सुना। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विनोद लोढ़ा, संयुक्त सचिव, सुबोध शिक्षा समिति, विनय चंद डागा, संयोजक, सुबोध कॉलेज एवं प्रो. (डॉ.) रेणु जोशी, प्राचार्य, सुबोध पीजी कॉलेज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से विकसित भारत का संकल्प साकार होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है और गांवों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 'माय भारत' डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं को कौशल विकास, नेतृत्व और नागरिक सहभागिता के अवसर दे रहा है। राजस्थान में युवाओं को खेल, कौशल, रोजगार और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ने के प्रयास जारी हैं। कार्यक्रम में सांसद जयपुर ग्रामीण, राव राजेंद्र सिंह, मंजू शर्मा, सांसद, जयपुर शहर सहित खेल जगत के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

पूर्व सीएम गहलोत ने मानसून को लेकर सरकार को चेताया, बोले- 17 जिलों में सूखे जैसे हालात

किसानों, मजदूरों के लिए अभी से तैयारी की जरूरत, खाद्यान्न भंडारण, पेयजल और रोजगार योजनाओं पर जोर

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में कमजोर पड़े मानसून को लेकर राज्य सरकार को सतर्क रहने की सलाह दी है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि सावन बीतने के साथ मानसून कमजोर पड़ गया है और भादों में भी बारिश की उम्मीद कम नजर आ रही है। जयपुर समेत प्रदेश के 17 जिलों में सूखे जैसे हालात बन गए हैं। गहलोत ने कहा कि पाली, जालोर, बांसवाड़ा, जैसलमेर और उदयपुर जैसे जिलों में सामान्य से 40 से 55 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि सूखे जैसी स्थिति का सबसे ज्यादा असर किसानों और श्रमिकों पर पड़ता है। ऐसे में राज्य सरकार को अभी से खाद्यान्न भंडारण बढ़ाने, पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और रोजगार के लिए मनरेगा व शहरी रोजगार गारंटी योजना को मजबूत करने के ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने पशु चारे की उपलब्धता पर भी समय रहते ध्यान देने की जरूरत बताई। गहलोत ने मुख्यमंत्री से संबंधित विभागों की समीक्षा कर समय रहते तैयारियां करने का आग्रह किया, ताकि आमजन को आगे संकट का सामना नहीं करना पड़े।

खेल प्रतिभाओं को लेकर भी गहलोत ने गिनाई योजनाएं: पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन किया था। खिलाड़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के उद्देश्य से सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई थी। इसके अलावा उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए आउट ऑफ टर्न नियुक्ति नीति लागू की गई। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार का प्रयास रहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और मंच मिल सके।

फ्लिपकार्ट ऐड्स ने लॉन्च किया 'सारथी'

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। फ्लिपकार्ट ऐड्स ने 'सारथी' नाम से ऐड्स पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य सेलर्स और ब्रांड्स को बिना किसी लागत के एआई-पॉवर्ड कैंपेन टूल्स और विशेषज्ञ एजेंसी सपोर्ट उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के तहत सेलर्स को कैंपेन की निगरानी, प्रोडक्ट स्तर की जानकारी, स्वचालित अलर्ट और ऑप्टिमाइजेशन संबंधी सलाह मिलेगी। सारथी के एआई-पॉवर्ड कैंपेन डैशबोर्ड को एटदरेट.एआई के साथ मिलकर विकसित किया गया है। यह कैंपेन और बिजनेस प्रदर्शन से जुड़े आंकड़ों को एक जगह उपलब्ध कराता है। साथ ही कम प्रदर्शन वाले कैंपेन की पहचान और बजट व बिडिंग को बेहतर करने में मदद करता है। विजय अय्यर, वाइस प्रेसिडेंट, फ्लिपकार्ट ऐड्स ने कहा कि किसी भी सेलर को विज्ञापन विशेषज्ञता या इंटेलिजेंट टूल्स की कमी के कारण पीछे नहीं रहना चाहिए। कपिल टांगरी, को-फाउंडर, एटदरेट.एआई ने कहा कि सेलर्स को केवल डेटा नहीं, बल्कि आगे की कार्रवाई के लिए स्पष्ट सलाह चाहिए। मेहुल पटेल, मालिक, प्रोवेक्टस हेल्थकेयर, अहमदाबाद ने कहा कि सारथी ने उन्हें कैंपेन के नतीजों और अवसरों को समझने में मदद की।

जवान कंधे.... (शेष 1 का शेष)

एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली है, जिसे सैनिक कंधे से लॉन्च कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल टैंक, बख्तरबंद वाहनों और बंकर जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। मिसाइल में अवरक्त खोजक लगा है, जो लक्ष्य को पहचानकर उसका पीछा करता है।

4 किमी तक मारक क्षमता: जैवलिन (एफजीएम-148) की रेंज करीब 4 किलोमीटर और वजन लगभग 22.3 किलोग्राम है। इसकी सबसे खासियत 'दागो और भूल जाओ' तकनीक है। लक्ष्य पर लॉक करने के बाद मिसाइल दागी जाती है और इसके बाद ऑपरेटर को लगातार इसे नियंत्रित करने की जरूरत नहीं होती। इसमें 'टॉप अटैक' क्षमता है, जिसके तहत मिसाइल टैंक के ऊपर से हमला करती है।

अमेरिका का.... (शेष 1 का शेष)

गौरतलब है कि वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। वहां 300 अरब बैरल से ज्यादा तेल मौजूद है। ट्रम्प जिस 65 अरब बैरल तेल पर अमेरिकी कंट्रोल की बात कर रहे हैं, वह वेनेजुएला के कुल तेल भंडार का करीब पांचवां हिस्सा है। वेनेजुएला के पास इतना बड़ा तेल भंडार होने के बावजूद वहां उत्पादन काफी कम है। आर्थिक संकट, निवेश की कमी और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण उसका तेल उद्योग लंबे समय से मुश्किल में है। भारत से तुलना करें तो देश हर साल करीब 1.6 से 1.7 अरब बैरल कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इस हिसाब से 65 अरब बैरल तेल भारत के मौजूदा सालाना आयात के करीब 40 साल के बराबर है। यानी मात्रा के लिहाज से देखें तो ट्रम्प जिस 65 अरब बैरल तेल की बात कर रहे हैं, वह भारत की करीब चार दशक की मौजूदा सालाना तेल जरूरत के बराबर है।

विट्ठल नामदेव विकास परिषद के चुनाव संपन्न

ऐचारा अध्यक्ष और बोलया महासचिव निर्वाचित हुए

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। श्री विट्ठल नामदेव विकास परिषद जयपुर के चुनाव रविवार को श्री विट्ठल नामदेव युवा समिति छात्रावास, सांगानेर में लोकतांत्रिक प्रणाली से संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी नानकराम छीपा ने बताया कि चुनाव दो पदों के लिए कराए गए। अध्यक्ष पद पर लक्ष्मण कुमार एचारा को 118 मत मिले, जबकि दूसरे प्रत्याशी दिनेश छोपा को 33 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार महासचिव पद पर नारायण बोलया को 118 मत मिले, जबकि दूसरे पैनल के निशांत मंडावर को 26 मत प्राप्त हुए। चुनाव अधिकारी नानकराम छीपा ने सर्व समाज के सामने विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की। इसके बाद उपस्थित जनसमुदाय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष लक्ष्मण कुमार एचारा और महासचिव नारायण बोलया का माला पहनाकर स्वागत किया और मुंह मीठा कराया। समिति के अन्य पदों पर चुनाव पूर्व में ही विधिवत रूप से संपन्न हो चुके हैं। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब नवीन कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। जल्द ही नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

स्वर्णकार समाज का पंचम पारिवारिक परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक गोठ कार्यक्रम 6 को

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। स्वर्णकार समाज संस्था, दक्षिण जयपुर की ओर से पंचम पारिवारिक परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक गोठ का आयोजन 6 सितंबर को सुरभि सदन, पिंजरापोल गौशाला, सांगानेर, टोंक रोड पर किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष कृष्ण (बंटी) दोसोल्या ने बताया कि सम्मेलन में समाज के अविवाहित युवक-युवतियों, डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, सीएस, सरकारी कर्मचारी, व्यापारी एवं पेशेवर सदस्यों को परिचय का अवसर मिलेगा। परिचय सम्मेलन दोपहर 12:15 बजे से होगा। प्रवेश सुबह 11 बजे के बाद नहीं दिया जाएगा। शाम 4:30 बजे राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर आरके सोनी का जादू शो होगा, जबकि शाम 5 बजे से सामूहिक गोठ आयोजित होगी। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 1 सितंबर है। शुल्क 500 रुपए प्रति रजिस्ट्रेशन (लंच सहित) और गोठ भोजन कूपन 300 रुपए प्रति व्यक्ति है। कार्यक्रम में सतीश पूनिया राज्यसभा सदस्य भाजपा, जितेंद्र सोनी सचिव मुख्यमंत्री, घनश्याम सोनी (एनसीबी), रविकांत सोनी (एडीजे), मनोज सोनी, दिव्या सोनी (एडीएम अजमेर) सहित समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहेंगे।

खेलों को जीवन.... (शेष 1 का शेष)

उन्होंने कहा कि खेल युवा शक्ति के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार राजस्थान के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का हर खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर प्रदेश का मान बढ़ा रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पाली में कार.... (शेष 1 का शेष)

श्रवण सिंह ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े 7 बजे हुआ। तेज रफ्तार से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गुंदोज निवासी मिश्रीलाल पुत्र गलाराम सरगरा (52) और उनके बेटे विक्रम (24) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उपचार के लिए बांगड़ अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पिता-पुत्र बाइक से पाली आ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद अस्पताल में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने घायल युवक की सांसें वापस लाने के लिए करीब 20 मिनट तक सीपीआर दिया।

इंपेला हार्ट पंप और माइट्राक्लिप से गंभीर हृदय रोगी को मिला नया जीवन

समाचार जगत ब्यूरो

झुंझुनूं। मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर में गंभीर हार्ट अटैक के बाद कार्डियोजेनिक शॉक, कमजोर हार्ट पंपिंग, किडनी फेल्योर और माइट्रल वाल्व में गंभीर लीकेज से जूझ रहे 50 वर्षीय मरीज का अत्याधुनिक तकनीकों से सफल उपचार किया गया। मरीज की नाजुक स्थिति को देखते हुए इंपेला हार्ट पंप के मैकेनिकल सपोर्ट से एंजियोप्लास्टी कर दूसरी प्रमुख धमनी में स्टेंट डाला गया। इसके बाद बिना ओपन हार्ट सर्जरी के माइट्राक्लिप प्रोसीजर किया गया। मरीज रमेश चन्द्र (परिवर्तित नाम) को हार्ट अटैक के बाद नजदीकी अस्पताल में स्टेंट लगाया गया था, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें मणिपाल हॉस्पिटल लाया गया। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमित गुप्ता और उनकी टीम ने जांच में दूसरी धमनी में गंभीर ब्लॉकेज पाया। इंपेला सपोर्ट से एंजियोप्लास्टी के बाद स्थिति में सुधार हुआ, हालांकि किडनी की समस्या के कारण डायलिसिस जारी रहा। बाद में माइट्रल वाल्व के लीकेज के कारण सांस फूलने की समस्या बनी रही। ओपन हार्ट सर्जरी के जोखिम को देखते हुए माइट्राक्लिप से लीकेज कम किया गया। करीब 50 दिन उपचार के बाद मरीज को स्वस्थ अवस्था में घर भेज दिया गया। डॉ. अमित गुप्ता ने दोनों प्रक्रियाओं के सफल समन्वय को जटिल केस में महत्वपूर्ण बताया।

भांकरोटा में रामकथा के पोस्टर का विमोचन, कथा कल से

संत मुरलीधर महाराज के सान्निध्य में 7 सितंबर तक चलेगा आयोजन

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। भांकरोटा के मुकुंदपुरा रोड स्थित संगम पैराडाइज में 30 अगस्त से 7 सितंबर तक भव्य श्री रामकथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक संत मुरलीधर महाराज के परम सान्निध्य में होगा। आयोजन को लेकर रामकथा के पोस्टर का विमोचन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव पुष्पेंद्र भारद्वाज, भांकरोटा मंडल कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश शर्मा, निवर्तमान पार्षद शंकर बाजडोलिया, सुनील सिंघानिया, रोहित बागड़ा एवं अन्य लोगों ने किया। भव्य रामकथा पुण्यात्मा मालीदेवी एवं सुपुत्र राजू मीणा, बास नवाल परिवार की ओर से आयोजित की जा रही है। आयोजकों ने बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक कार्यक्रम होंगे। संत मुरलीधर महाराज के मुखारविंद से रामकथा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आयोजन को सफल बनाने और अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को रामकथा से जोड़ने का आह्वान किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

उदयवीर शर्मा को मिलेगा 51 हजार का राजस्थानी साहित्य पुरस्कार

जयपुर. समाचार जगत न्यूज. प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा वार्षिक साहित्य पुरस्कारों की श्रृंखला में राजस्थानी भाषा, साहित्य की सेवा क्षेत्र में समग्र योगदान के लिए दिए जाने वाला कन्हैयालाल रतनलाल पारख राजस्थानी साहित्य पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए बिसाऊ-झुंझुनूं निवासी

राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार, संपादक डॉ. उदयवीर शर्मा को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि सुंदरदेवी लक्ष्मीदेवी पारख ट्रस्ट, कोलकाता के मुख्य ट्रस्टी एवं चूरू मूल के उद्योगपति, ऑरबिट ग्रुप के संयोजक बसंत कुमार पारख के सौजन्य से प्रयास संस्थान प्रवर्तित पुरस्कार हेतु इस वर्ष राजस्थान साहित्य के वरिष्ठ हस्ताक्षर 94 वर्षीय डॉ. उदयवीर शर्मा का चयन किया गया है। डॉ. शर्मा को इसी माह चूरू में आयोज्य समारोह में पुरस्कार राशि इक्कावन हजार रुपये, शॉल, श्रीफल, मानपत्र अर्पित कर सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा इस पुरस्कार से पूर्व में राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार तेजसिंह जोधा नागौर, डॉ. चंद्रप्रकाश देवल अजमेर, डॉ. देव कोठारी उदयपुर, मोहन आलोक श्रीगंगानगर, प्रो. जहूर खां मेहर जोधपुर एवं नागराज शर्मा पिलानी को सम्मानित किया जा चुका है।

आरपीएससी.... (शेष 1 का शेष)

एपीपी एग्जाम 2 सितंबर को : राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियोजन अधिकारी {गृह (अभियोजन) विभाग} प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन 2 सितंबर को दोपहर 12 से 2 बजे तक किया जाएगा। 371 पदों के लिए 52,767 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हैं। परीक्षा के लिए आवंटित परीक्षा जिला की जानकारी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश पत्र 30 अगस्त को आयोग की वेबसाइट और SSO पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे।

पहले कराया.... (शेष 1 का शेष)

सिंबल वितरण शुरू करेगी। पीसीसी जिला प्रभारियों और विधानसभा चुनाव कोऑर्डिनेटरों को सिंबल के लिफाफे सौंपेगी। इसके बाद प्रभारी और कोऑर्डिनेटर अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों के जिलों और विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना होंगे।

गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण सभा दौसा की आमसभा कल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। ब्राह्मणों के सर्वमान्य संगठन गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण सभा जिला दौसा की आमसभा 30 अगस्त को चाणक्य छात्रावास रलावता रोड राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा के पीछे होगी। आमसभा सुबह 11:15 बजे शुरू होगी। मीडिया प्रभारी योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि पिछली कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी शिवदयाल शर्मा लाका (रि. थानेदार) और सहायक निर्वाचन अधिकारी शीतल चौबे ने संगठन के चुनाव कराने के प्रयास किए, लेकिन चुनाव के लिए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण निवर्तमान जिला अध्यक्ष वैध लक्ष्मीकांत शर्मा (सिंगवाड़ा) से आमसभा बुलाने का आग्रह किया गया। चुनाव अधिकारियों की सहमति से जिलाध्यक्ष ने आमसभा में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी के चुनाव कराने का निर्णय लिया है। आमसभा में कार्यकारिणी के चुनाव के साथ ब्राह्मण समाज के सामाजिक एवं आर्थिक हितों पर सामूहिक चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

योगाचार्यों को पार्षद का टिकट देने की मांग

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। योगाचार्य रूपनारायण जेदिया गोल्ड मेडलिस्ट नेचुरोपैथी फूड एंड न्यूट्रिशन एमडी योग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल, रिद्धि सिद्धि मंडल अध्यक्ष दीपा नाथावत, विधायक बालमुकुन्द आचार्य एवं कालीचरण सर्राफ विधायक से मिलकर 10 योगाचार्यों को नगर निगम पार्षद का टिकट दिलाने की मांग की है। मीरा मार्ग पार्क में योगाचार्य रूपनारायण जेदिया की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें योगाचार्य सरोज शर्मा, योगाचार्य रूपनारायण जेदिया एवं योगाचार्य मनीष विजय वर्गी, डॉ. भानु प्रकाश शर्मा, डॉ मनोज सांखला, आकांक्षा शर्मा, प्रीति गुप्ता, ललिता बर्मा, सुमन चौधरी, सुमन जोशी, सुधा रमन शर्मा, मंजू राठौर मौजूद रहे। बैठक में सभी ने 10 योगाचार्यों को नगर निगम पार्षद का टिकट दिलाने के साथ योग आयोग के गठन की मांग की। इसके अलावा अन्य आयोगों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्यों को मनोनीत करने की मांग की है।

पोप ने भारत-राजस्थान की प्रगति के लिए दिया आशीर्वाद

सीएस ने वेटिकन सिटी में की पोप लियो से मुलाकात

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी में पोप लियो XIV से मुलाकात की। इस अवसर पर आईआईएएस के 520 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पोप लियो XIV के 'स्पेशल ब्लेसिंग' में भाग लिया। पोप ने राजस्थान और भारत के विकास एवं प्रगति के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। श्रीनिवास ने इस मुलाकात को अत्यंत गौरवपूर्ण अनुभव बताते हुए मानवता की सेवा के पोप के वैश्विक प्रयास 'मैग्निफिका ह्यूमैनिटास' में आईआईएएस की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

पोप लियो XIV ने आईआईएएस के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक को आमजन की सेवा का माध्यम बनाने के लिए इसका मानवीकरण आवश्यक है। उन्होंने मानव कल्याण को शासन और तकनीकी विकास के केंद्र में रखने का आह्वान करते हुए कहा कि मानव परिवार की भलाई को निजी हितों के लिए बलिदान नहीं किया जाना चाहिए। पोप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तेजी से विकसित होती डिजिटल तकनीकों के दौर में मानव हितों की रक्षा तथा तकनीक के संतुलित और जिम्मेदार उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई जिस गति से विकसित हो रही है, उसमें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि तकनीक मानवता की सेवा करे और मनुष्य अपने ही आविष्कारों का शिकार न बने। उन्होंने मानव जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय मशीनों को सौंपे जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए मानव बुद्धिमत्ता की अपरिहार्यता को रेखांकित किया। उन्होंने डिजिटल तकनीकों के मानवीय उपयोग के लिए प्रभावी नैतिक ढांचा विकसित करने की आवश्यकता बताई। साथ ही, आईआईएएस को इस दिशा में शोध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सार्वजनिक प्रशासन में डिजिटल तकनीकों का उपयोग इस प्रकार किया जाए कि वे जीवन और शांति की सेवा करें। उन्होंने आईआईएएस के प्रयासों की सराहना करते हुए सदस्यों को इस महत्वपूर्ण दायित्व को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

पटौदी परिवार के राखी उत्सव में सैफ, सारा, सोहा के साथ करीना भी शामिल

एक्ट्रेस करीना कपूर खान इस साल पटौदी परिवार के राखी सेलिब्रेशन में अपने पति सैफ अली खान, ननद सोहा और सबा, और सैफ के बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम के साथ शामिल हुईं। सोहा ने सोशल मीडिया पर रक्षाबंधन सेलिब्रेशन की कुछ झलकियां शेयर कीं। जहां पटौदी परिवार के सभी सदस्य त्योहार के माहौल के हिसाब से पारंपरिक कपड़ों में पोज देते दिखे, वहीं बेबो कैजुअल ब्लू टी-शर्ट और खुले बालों में एकदम रिलैक्स्ड लुक में नजर आईं। इसमें एक बेहतरीन फैमिली फोटो भी थी, जिसमें इब्राहिम, तैमूर और जेह अपनी राखियां दिखाते हुए नजर आए। इब्राहिम और तैमूर दोनों की कलाइयों पर एक जैसी फुटबॉल-थीम वाली राखियां बंधी थीं। तस्वीर में सोहा अपने भाई सैफ के गाल पर प्यार से किस करती हुई भी दिखीं। सोहा की बेटी इनाया की भी तस्वीर सामने आई, जिसमें वह अपने कजिन इब्राहिम को राखी बांध रही थीं। अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए सोहा ने लिखा, जो लोग हमें प्यार, सुरक्षा और अपनापन महसूस कराते हैं, उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं।

'सनी देओल को आप मुसलमान क्यों नहीं देख सकते?'

शबाना आजमी ने पूछा सवाल

सनी देओल की अदाकारी वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' को समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। यह फिल्म इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' के साथ रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर इसकी बराबरी नहीं कर सकी। दोनों फिल्मों में शबाना आजमी ने अहम किरदार निभाया। जहां दिग्गज अभिनेत्री 'आवारापन 2' की सफलता से खुश हैं, वहीं वह 'बंटवारा 1947' के प्रदर्शन से निराश भी हैं। इस बीच शबाना आजमी ने सवाल उठाया कि दर्शकों को सनी देओल को एक मुस्लिम किरदार के तौर पर स्वीकार करने में मुश्किल क्यों हुई? मैं बॉक्स ऑफिस पर 'बंटवारा 1947' के खराब प्रदर्शन से बहुत हैरान हूं। मैं उन लोगों से घिरी हुई हूं, जो आते हैं और मुझे बताते हैं कि उन्हें फिल्म पसंद आई और उन्हें संदेश भी पसंद आया। दूसरी तरफ लोग सिनेमाघरों में गए नहीं। जो गए भी उन्होंने इस पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आगे कहा 'सनी देओल को आप मुसलमान क्यों नहीं देख सकते? कुली जैसी फिल्म थी जिसमें अमिताभ बच्चन बड़े आराम से मुस्लिम किरदार करते थे। 786 लगा लेते थे और उसको बिल्कुल स्वीकार कर लिया जाता है। अब इसमें क्या समझें कि ऐसा माहौल बनाया जा रहा है हमारे यहां, जिसमें इस तरह का भेदभाव जानबूझकर हो रहा है?'

'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे, आमिर समेत स्टारकास्ट ने मनाई सालगिरह

बॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'दिल चाहता है' ने रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म की रिलीज की 25वीं सालगिरह मनाने के लिए इसकी स्टारकास्ट मुंबई में एक साथ जमा हुई। इस मौके पर फिल्म के मुख्य कलाकार, सैफ अली खान और आमिर खान मौजूद रहे। हालांकि इस मौके पर अक्षय खन्ना नजर नहीं आए। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2001 में बॉक्स ऑफिस पर कमर्शियल तौर पर हिट रही थी। फिल्म में आमिर खान, अक्षय खन्ना, सैफ अली खान, प्रीति जिंटा, सोनाली कुलकर्णी और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिकाओं में थे। यह रीयूनियन फिल्म की रिलीज की सिल्वर जुबली मनाने के लिए आयोजित किया गया था। सैफ ने पहले भी निर्देशक के तौर पर फरहान की पहली फिल्म के लिए उनके काम की तारीफ की थी। 'वैरायटी इंडिया' के साथ बातचीत में सेट पर अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'हम ज्यादातर समय हंसते रहते थे क्योंकि फरहान हर चीज को बहुत हल्के-फुल्के अंदाज में लेते थे। सेट पर उनकी सहजता को देखकर ऐसा लगता था जैसे वे निर्देशक बनने के लिए ही पैदा हुए हों। सच कहूं तो, कोई तनाव नहीं था।'

सलमान की बहन अर्पिता ने राखी बांधकर जीसस क्राइस्ट के सामने उतारी आरती

सलमान खान की छोटी बहन अर्पिता खान शर्मा ने इंस्टाग्राम पर रक्षाबंधन सेलिब्रेशन का एक वीडियो शेयर किया। अर्पिता ने सलमान की आरती उतारी और उन्हें राखी बांधी, लेकिन जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह थी उनके पीछे दीवार पर बनी जीसस क्राइस्ट की एक बड़ी सी पेंटिंग। इसमें मशहूर 'द लास्ट सपर' की झलक थी, और कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने मजाक-मजाक में इस वीडियो को 'आज इंटरनेट पर सबसे सेक्युलर चीज' कहा। वीडियो को लेकर बवाल भी मचा हुआ है।

कमेंट में लोगों ने कहा सेक्युलर

एक और कमेंट में कहा गया, 'सच कहूं तो मजाक से हटकर, यह वीडियो असल में भारत की सही तस्वीर दिखाता है lol।' किसी ने लिखा, 'अर्पिता+सलमान+जीसस, माहौल काफी सेक्युलर है।' एक कमेंट में लिखा था, 'बहुत से लोग इसे पसंद नहीं करेंगे, लेकिन मुझे यह देखना अच्छा लगता है। किसी और ने लिखा, सिर्फ भाई ही ऐसा कर सकते हैं।' सोशल मीडिया पर फैन्स को यह वीडियो काफी मजेदार लगा। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान ने यह म्यूरल खुद बनाया है।

सलमान खान के फैंस का सपोर्ट : अर्पिता पैटर्न वाले सफेद कुर्ते और मैचिंग दुपट्टे में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा था, जिससे उनका चेहरा नैचुरली फ्रेम हो रहा था। वहीं, सलमान खान ने कैजुअल कपड़े पहने थे। वे ऑरेंज टी-शर्ट, जींस और काली काउबॉय हैट में नजर आए। सलमान और अर्पिता रक्षाबंधन के मौके पर अपनी बहन अलविरा अग्निहोत्री के घर गए थे और जीसस की पेंटिंग वाला उनका यह वीडियो अब वायरल हो गया है। रेडिट पर एक यूजर ने लिखा, 'यह 'हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, सब हैं भाई-भाई' वाली बात का सबसे अच्छा उदाहरण है।' किसी और ने कहा, 'भाई सेक्युलर हैं।' एक कमेंट में लिखा था, 'बैकग्राउंड में 'द लास्ट सपर' पेंटिंग, ओह माय गॉड।' किसी ने लिखा, 'वह हमेशा से ही खुलकर सेक्युलर विचार रखने वाले व्यक्ति रहे हैं, आप हर धर्म के प्रति उनके सम्मान पर शक नहीं कर सकते, और यह बात साफ दिखती भी है।' एक कमेंट में लिखा था, 'सेक्युलरिज्म अल्ट्रा प्रो मैक्स।'

'इसके लिए हिम्मत चाहिए', यश की टॉक्सिक पर फिदा किच्चा सुदीप, तारीफ में पढ़े कसीदे

कन्नड सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने यश की हालिया रिलीज फिल्म 'टॉक्सिक' का खुलकर सपोर्ट किया है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों के एक वर्ग से मिली-जुली से लेकर नेगिटिव प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन सुदीप का मानना है कि यश ने अपनी पिछली बड़ी कमर्शियल सफलता के बाद कुछ नया और अलग करने की हिम्मत दिखाई है। यश की लीड रोल और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिक' बुधवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म की रिलीज से पहले काफी उम्मीदें थीं, लेकिन रिलीज के बाद दर्शकों की राय बटी हुई नजर आई। सोशल मीडिया पर फिल्म की कहानी और क्रिएटिव चॉइस को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

किच्चा बोले- 'इस तरह की फिल्म बनाने के लिए हिम्मत'..

किच्चा सुदीप ने फिल्म के लिए यश की अलग सोच और उनके फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह की फिल्म बनाने के लिए हिम्मत की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'इसके लिए एक अलग सोच, पक्का इरादा और सबसे जरूरी बात, ऐसा कुछ करने की हिम्मत चाहिए।' किच्चा सुदीप ने 'टॉक्सिक' को 'एक अनोखी और तारीफ के काबिल कोशिश' भी बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म के कई हिस्सों ने उन्हें काफी उत्सुक किया और उन्हें लगता है कि ऐसी कोशिशों से आगे बड़ी बहस, चर्चा और कुछ नया सीखने का मौका मिल सकता है। सुदीप ने अपनी पोस्ट के अंत में यश के लीक से हटकर काम करने के फैसले की तारीफ की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। सुदीप ने लिखा, 'कुछ नया करने और लीक से हटकर काम करने की हिम्मत दिखाने के लिए आपको बधाई। मेरे दोस्त, तुम्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' गीतू मोहनदास की निर्देशित 'टॉक्सिक' को रिलीज के बाद मिली-जुली से लेकर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछ दर्शकों ने फिल्म के विजुअल्स की तारीफ की है, जबकि एक वर्ग ने कहानी और क्रिएटिव चॉइस पर सवाल उठाए हैं।

कंगना रनौत

बाबा रामदेव ने कंगना को कहा- बहन तो अभिनेत्री बोलीं- भूल चूक माफ

रक्षाबंधन पर सुलझा जनरेशन गटर वाला विवाद

हाल ही में अभिनेत्री कंगना और योग गुरु बाबा रामदेव के बीच जनरेशन गटर वाली टिप्पणी को लेकर विवाद काफी बढ़ गया। दोनों ने एक-दूसरे की आलोचना की। इस बीच योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि वे रक्षाबंधन के मौके पर भाजपा सांसद कंगना रनौत को तोहफा और मिठाइयां भेज रहे हैं। साथ ही, उन्होंने समाज में नफरत और दुश्मनी खत्म करने की अपील की। रामदेव का ये बयान रनौत के जनरेशन गटर वाले कमेंट पर हुए हालिया विवाद के बीच आया है। अभिनेत्री ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की आलोचना करते हुए यह बात कही थी। उनके इस बयान की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और आम लोगों ने काफी आलोचना की थी। बाबा रामदेव ने भी कंगना के बयान पर सार्वजनिक रूप से आपत्ति जताई थी।

क्या बोले रामदेव?

मैं अपनी बहन कंगना रनौत को डाक से यह तोहफा और मिठाइयां भेज रहा हूं। देश में किसी भी वजह से नफरत नहीं होनी चाहिए। एक-दूसरे के प्रति दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। इसीलिए हमने सारी दुश्मनी पूरी तरह छोड़ दी है। किसी भी विवाद को बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। आज मैं कंगना को रक्षाबंधन की बधाई देने के लिए फोन भी करूंगा। बाबा रामदेव ने रक्षाबंधन के महत्व के बारे में भी बात की और सामाजिक सद्भाव तथा जाति या समुदाय के आधार पर भेदभाव खत्म करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को राखी बांधी थी और ब्राह्मणों ने क्षत्रियों को राखी बांधी थी। यह देश ज्ञान और वीरता का उपासक रहा है। रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच प्यार का त्योहार है।'

कंगना ने रामदेव को बताया बड़ा भाई

वहीं इस मामले पर कंगना रनौत का बयान आया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा 'त्योहार का दिन सब भूल चूक माफ करने के लिए होता है। मेरे भाई बाबा रामदेव जी ने बहुत अच्छा कहा कि विवाद नहीं संवाद होना चाहिए। आज रक्षाबंधन के दिन मैं उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम दोनों स्वीकार करती हूं। बहुत धन्यवाद। ईश्वर आपको लंबी आयु दे।'

क्या बोले थे रामदेव?

हाल ही में जब जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन हो रहे थे, तब कंगना रनौत ने उन्हें जनरेशन गटर कहकर संबोधित किया है। इस पर बाबा रामदेव ने कहा था 'उनकी क्वालिफिकेशन क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता।'

कार्तिक ने बहन कृतिका संग मनाया रक्षाबंधन

मजेदार अंदाज में बोले- 'राखी डन, आशीर्वाद क्रेडिटेड, जेब खाली'

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने इस साल भी रक्षाबंधन का त्योहार अपनी बहन कृतिका आर्यन के साथ बेहद खास और प्यारे अंदाज में मनाया। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में भाई-बहन के बीच की खूबसूरत बॉन्डिंग के साथ-साथ उनका मस्ती भरा अंदाज भी देखने को मिला। कार्तिक ने तस्वीरों की एक सीरीज साझा की है, जिसमें वह अपनी बहन के साथ रक्षाबंधन की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में कृतिका उन्हें मिठाई खिलाती दिखाई दे रही हैं, जबकि कार्तिक हाथ जोड़कर भाई होने की अपनी जिम्मेदारी निभाते नजर आ रहे हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में दोनों अपने प्यारे पेट्स के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। कार्तिक ने पोस्ट के कैप्शन में अपने खास मजाकिया अंदाज में लिखा, 'राखी डन, आशीर्वाद क्रेडिटेड, जेब खाली'। अभिनेता के इस कैप्शन ने रक्षाबंधन के उस मजेदार पहलू को बयां कर दिया, जिससे लगभग हर भाई आसानी से खुद को जोड़ सकता है। तस्वीरों में कृतिका हल्के हरे रंग के खूबसूरत पारंपरिक आउटफिट में नजर आ रही हैं, जबकि कार्तिक ने कैजुअल और आरामदायक लुक चुना है। दोनों की तस्वीरों में उनकी सहज और मजबूत भाई-बहन की बॉन्डिंग साफ दिखाई दे रही है। कार्तिक और कृतिका की यह रक्षाबंधन सेलिब्रेशन सिर्फ त्योहार की रस्मों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें ढेर सारी हंसी-मजाक, प्यार और पारिवारिक गर्मजोशी भी देखने को मिली। अभिनेता का 'जेब खाली' वाला मजाकिया अंदाज सोशल मीडिया पर उनके फैंस को भी खूब पसंद आ रहा है।

इलियाना डिक्रूज ने मां को गले लगाकर दी बर्थडे की बधाई

इलियाना डिक्रूज आज अपनी मां समीरा डिक्रूज का जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने मां के प्रति अपना प्यार जाहिर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनकी मां अभिनेत्री को गले मिल रही हैं। अभिनेत्री ने लिखा, मम्मी, आपके जैसा कोई नहीं है। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। साथ ही, फैंस कमेंट सेक्शन पर अभिनेत्री की मां को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। इलियाना के पिता का नाम रोनाल्डो डिक्रूज है, जो पेशे से एक मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन या इंजीनियर हैं और वे गोवा के रहने वाले रोमन कैथोलिक ईसाई हैं।

पोस्ट में लिखा- आपके जैसा कोई नहीं

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज अब मनोरंजन की चकाचौंद भरी दुनिया से दूर हैं। उन्होंने साल 2023 में माइकल डोलन से शादी की थी। उसी साल उन्होंने अपने पहले बेटे कोआ फीनिक्स डोलन का स्वागत किया। इसके बाद साल 2025 में अभिनेत्री दूसरी बार मां बनीं और उन्होंने अपने दूसरे बेटे कीनू रैफ डोलन को जन्म दिया। मां बनने के बाद से इलियाना लगातार अपने जीवन के अनुभव सोशल मीडिया पर साझा करती रही हैं। कभी वह बच्चों के साथ बिताए खास पल दिखाती हैं, तो कभी मातृत्व से जुड़ी चुनौतियों पर खुलकर अपनी बात रखती हैं।

भूत हो या चोर, गोकुलधाम की एकता को तोड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है!

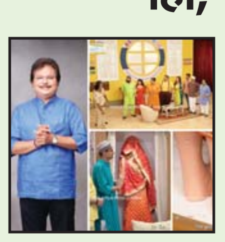

असीत कुमार मोदी का तारक मेहता का उल्टा चश्मा गोकुलधाम सोसाइटी के निवासियों को पोपटलाल की रहस्यमयी दुल्हन की पुतले वाली कहानी से निकालकर सोने के गहनों की लगातार हो रही चोरियों के बीच ले आया है। गोकुलधाम के घरों से सोने के गहने एक-एक करके गायब होने लगे हैं, जिससे पूरी सोसाइटी सतर्क हो गई है। रहस्य तब और गहरा जाता है, जब चोरी हुए गहनों में वे गहने भी शामिल होते हैं, जिन्हें पोपटलाल पहले देख चुके हैं और उनकी तारीफ कर चुके हैं। अजीबोगरीब पुतले ने पहले ही गोकुलधाम में काफी हलचल मचा दी थी। दुल्हन के रूप में सजे एक पुतले को घर लाने के पोपटलाल के फैसले ने सभी निवासियों को हैरान कर दिया था, वहीं उसके उल्टे पैर को देखकर पुरुष मंडली को शक होने लगा था कि कहीं पोपटलाल सच में कोई चुड़ैल तो घर नहीं ले आए। इससे पहले कि निवासी इस अजीबोगरीब घटनाक्रम को पूरी तरह समझ पाते, एक और बड़ी मुसीबत सामने आ जाती है। इंस्पेक्टर चालू पांडे अपनी जांच शुरू करते हैं, लेकिन अब दर्शकों के मन में यही सवाल है कि क्या वह चोर को पकड़ पाएंगे और चोरी हुए सोने के गहनों के पीछे छिपे राज से पर्दा उठा पाएंगे? क्या पोपटलाल के रहस्यमयी पुतले और इन चोरियों के बीच सच में कोई कनेक्शन है, या फिर इस पूरे रहस्य के पीछे कोई और है?

बहन को राखी पर भाई ने दिया पौधे लगे गमलों का उपहार

भाई बहन के स्नेह और भाई द्वारा बहन की सुरक्षा के संदेश के प्रतीक रक्षाबंधन पर इस बार भाई ने अपनी कलाई पर रक्षासूत्र बंधवाने के साथ ही भाई ने अपनी बहन को पौधे लगे गमले उपहार में दिये और उनकी सुरक्षा का वादा लिया। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू के बहन विमला दरक व मंजू मालीवाल ने हर वर्ष की भांति कलाई पर राखी बांधी तो जाजू ने उपहार में 24 घंटे प्राण वायु देने वाले मनी प्लांट, स्नेक, एरिका पाम के पौधे लगे गमले भेंट किये व सुरक्षा का वादा लिया। जाजू ने कहा कि पौधे लगे गमले हम सबके साथ प्रकृति की रक्षा करेंगे। जाजू ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे भी पौधे लगे गमलों का उपहार दे ताकि प्रकृति की प्रदूषण से रक्षा की जा सके व घरों में हरियाली बढ़ाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा सके। इस मौके पर सुशीला जाजू मौजूद थी।

सबसे छोटे बच्चे को अक्सर बहुत सी बातों पर छूट मिल जाती है ; भाई-बहनों के रिश्ते पर अमिताभ..

बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन ने रियलिटी गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के हालिया एपिसोड में भाई-बहनों के बीच के अनोखे रिश्ते पर गहराई से बात की। होस्ट बिग बी ने बताया कि हर समय एक-दूसरे से लड़ने के बावजूद, मुश्किल समय में भाई-बहन एक-दूसरे के लिए सबसे पहले खड़े होते हैं। उन्होंने शो के दौरान कहा, भाई-बहन का जो रिश्ता होता है न बड़ा अनोखा होता है... एक दूसरे से लड़ते भी हैं और एक दूसरे की टांग भी खींचते हैं, लेकिन जरूरत पड़े तो सबसे पहले साथ भी वही खड़े रहते हैं। अपने पर्सनल एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए, बिग बी ने बताया कि बड़े भाई-बहनों के मुकाबले सबसे छोटा बच्चा अक्सर बहुत कुछ कर जाता है। लेजेंडरी एक्टर ने शेयर किया, जो घर का छोटा होता है ना, तो क्योंकि वो छोटा है, सब लोग उसको माफ कर देते हैं और जितने बड़े हैं ना उससे, उनको इतनी मार पड़ती है... कुछ भी करेंगे वो, लेकिन उनको कुछ नहीं बोला जाता है।

कृति सेनन के बाद सेलिना जेटली के डीप-नेक ब्लाउज पर बवाल!

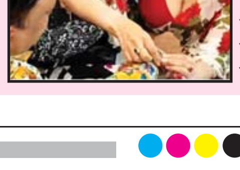

रक्षा बंधन के मौके पर कृति सेनन के रक्षा बंधन ऐड में ब्रालेट पहनकर नजर आने के बाद उनके आउटफिट को लेकर विवाद हुआ था जिसने बहुत आग पकड़ी थी। अब सबका ध्यान कृति से हटकर सेलिना जेटली की तरफ है। सेलिना जेटली ने रक्षा बंधन के मौके पर फ्लोरल साड़ी के साथ लाल डीप-नेक ब्लाउज पहना था, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसी वीडियो सामने आने के बाद उनके पहनावे को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं और रक्षा बंधन के मौके पर एक्ट्रेसेज के आउटफिट को सेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। सेलिना जेटली को लेकर यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब रक्षा बंधन के मौके पर उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में सेलिना अपने भाई के साथ रक्षाबंधन मनाती नजर आ रही थीं और इस दौरान उन्होंने फ्लोरल साड़ी के साथ लाल रंग का डीप-नेक ब्लाउज़ पहना हुआ था। वीडियो सामने आते ही उनके पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई।

दृश्यम 3 से अजय देवगन के नए अंदाज ने बढ़ाई बेचैनी, फैमिली के लिए अब कौन सी हद पार..

दृश्यम 3 में अजय देवगन एक बार फिर से विजय सलगांवकर बनकर लौट रहे हैं। टॉक्सिक और धुरंधर 2 के बाद यह फ्रेंचाइजी इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। 2 अक्टूबर में रिलीज होने वाली दृश्यम 3 से मेकर्स हर दो दिन में ऑडियंस के लिए कुछ नया परोस रहे हैं। नए पोस्टर के साथ

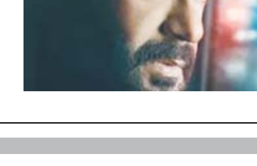

मेकर्स ने यह भी क्लियर कर दिया कि अब विजय अपने परिवार को बचाने की खातिर कौन सी हद पार करेंगे। फिल्म 'दृश्यम 3' से न्यू पोस्टर में विजय सलगांवकर का किरदार अदा करने वाले अजय देवगन एक गाड़ी में बैठे हैं और लगातार शीशे की तरफ देख रहे हैं। उनकी आंखों में परिवार की चिंता साफ-साफ झलक रही है। नए पोस्टर में अजय जिस गाड़ी में बैठे हैं, उसके पीछे एक पुलिस वैन है। दृश्यम 3 से अभिनेता के इस नए पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, सही या गलत जो भी हो...मैं अपनी फैमिली के लिए किसी भी हद तक जा सकता हूं।

तपोबल से धर्म संस्कृति की रक्षा करते हैं साधु

समाचार जगत ब्यूरो

सीकर. श्रावण शुक्ल पूर्णिमा का जैनधर्म अनुसार आध्यात्मिक महत्व हैं। इस दिन 1008 श्री श्रेयांस नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस ,दिगंबर आचार्य अकंपनाचार्य एवं 700 मुनिराजों का उपसर्ग दूर होकर 7 उपवास का पारणा, प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी ने मंदिर ओर जिनागम संस्कृति के संरक्षण हेतु 1105 दिनों तक अन्न आहार त्याग के बाद अन्न आहार लेना, आदि महत्व है लौकिक रूप से भाई बहनों का राखी पर्व भी ऐतिहासिक है जब चित्तोड़ की रानी पद्मिनी ने अपने राज्य की रक्षा हेतु राखी भेजी और मुस्लिम राजा हुमायूं ने भाई का दायित्व निभा कर राज्य ओर शील की रक्षा की। रक्षाबंधन वास्तव में वात्सल्य धर्म बंधन है। सभी को अपनी आत्मा की रक्षा करना चाहिए आत्मा को कर्मों के बंध से बचाना चाहिए। वर्तमान परिपेक्ष्य मेंआचार्य श्री ने करुणा पूर्वक कहा कि महान जैन संस्कृति रसातल में जा रही है सभी को रक्षा का संकल्प लेना चाहिए धर्म की , धर्मात्माओं की ,आत्मा की , संस्कृति की रक्षा आप सभी का परम कर्तव्य है। यह मंगल देशना राजकीय अतिथि वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने पारस भवन दंग की नसिया सीकर में आचार्य धर्म सागर सभागृह में अकंपनाचार्य एवं 700 मुनिराज की पूजन के अवसर पर धर्म सभा में प्रकट की। डा राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने वात्सल्य रक्षा दिवस का धार्मिक महत्व कथा के माध्यम से बताया कि 19 वे तीर्थंकर श्री मल्लीनाथ भगवान के समय 700 मुनिराजों पर हस्तिनापुर में महा उपसर्ग महा मुनिराज विष्णु कुमार मुनिराज ने तप संयम से प्राप्त रिद्धी शक्ति से दूर किया।साधु तपोबल से धर्म संस्कृति की रक्षा करते है । प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज उत्तर भारत में भ्रमण कर रहे थे ।फरवरी 1930 में राजाखेड़ा (धौलपुर)में संघ का प्रवास हो रहा था । आचार्य शांति सागर जी महाराज ने तप बल से पूर्वाभास ज्ञान भावी संकट को समझा सभी साधुओं को बंद कमरे में ध्यान करने को कहा ,तभी 500 आतताई हमलावर तलवार लेकर आचार्य श्री शांति सागर जी एवं संघ पर हमला करने आए जैन समाज ने प्रतिकार किया साधुओं की रक्षा की। पुलिस ने हमलावरों पर कार्रवाई कर गिरफ्तार किया तो क्षमा शांति के सागर आचार्य शांति सागर जी ने उन्हें क्षमादान करते हुए कोई कार्रवाई नहीं करने को कहा। इसी प्रकार सन 1948 में जैन मंदिर में विधर्मियों के प्रवेश के विरोध में जैन मंदिर संस्कृति की रक्षा के लिए आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने अन्न आहार का त्याग कर दिया 1105 दिनों तक अन्न आहार का त्याग रहा जब माननीय न्यायालय का फैसला जैन समाज के पक्ष में आया तब उन्होंने श्रावण शुक्ल पूनम 16 अगस्त 1951 को बारामती में रक्षाबंधन के दिन ही अन्न आहार लेना प्रारंभ किया।अनुभव जैन सेठी के अनुसार आचार्य वर्धमान सागर धर्म वात्सल्य वर्षायोग चातुर्मास समिति श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बीस पंथ आम्नाय प्रबंध समिति द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर के सहयोग से वात्सल्य रक्षा दिवस पर आचार्य श्री धर्म सागर सभागृह में श्री जी के अभिषेक पूजन के बाद श्री अकंपनाचार्य, 700 मुनिराज विष्णु कुमार महामुनिराज तथा साक्षात विराजित आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की पूजन की गई।बड़े विधान पर श्रीफल विधान पर समर्पित किए गए।

RK GROUP
परमपूज्य आचार्यश्री के श्रीचरणों में बारम्बार नमोस्तु
अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, विमल पाटनी
आर.के. मार्बल ग्रुप. मदनगंज – किशनगढ़ (अजमेर)
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA

भागवत के न्यूयॉर्क कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं 5,000 लोग

एजेन्सी

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क के मशहूर मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। उनके कार्यक्रम में अमेरिका के 39 प्रांतों से 5,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम की प्रवक्ता प्रिया सामंत ने जानकारी दी कि दोपहर 2 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में 85 शहरों के लोग एक साथ आएंगे। इस कार्यक्रम के लिए 200 से अधिक संगठनों ने साझेदारी की है। सामंत ने कहा, यह कार्यक्रम भारतीय दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' का जश्न है, जिसका अर्थ है कि दुनिया एक बड़ा परिवार है। उन्होंने कहा, हम सभी शांति और सद्भाव के साथ रह सकते हैं, भले ही हमारे बीच मतभेद हों। इस कार्यक्रम के जरिए हम उस संदेश को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें जीवन के हर क्षेत्र से लोग शामिल होंगे। सामंत ने कहा कि यह कार्यक्रम सांस्कृतिक और आध्यात्मिक तत्वों के साथ अलग-अलग धर्मों के लोगों का मिलन होगा। यह रक्षाबंधन के वीकेंड पर आयोजित किया जा रहा है, जो उनके अनुसार 'सुरक्षा, देखभाल और एक-दूसरे के बीच 'बंधन' का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी युवा भजन गायन करेंगे। आयोजकों ने कहा कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को बहुत जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। सामंत ने कहा कि हालांकि, अब रजिस्ट्रेशन बंद हो गया है, लेकिन शुरुआत में यह सभी के लिए खुला था। जो लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो पाएंगे, वे कार्यक्रम को ऑनलाइन देख सकेंगे।

उमरड़ा खेड़ा में पांच लोगों पर हमला करने वाला लेपर्ड पिंजरे में कैद

पैरों के निशान से पकड़ में आया, कई बार बदली पिंजरे की लोकेशन

समाचार जगत ब्यूरो

उदयपुर। शहर के पास उमरड़ा खेड़ा गांव में पांच लोगों पर हमला करने वाला लेपर्ड आखिरकार शनिवार सुबह वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। बुधवार से उसकी तलाश में जुटी वन विभाग की टीमों को कैमरा ट्रैप और ड्रोन से उसकी लोकेशन नहीं मिल पा रही थी। शुक्रवार को कैमरा ट्रैप में लेपर्ड दिखाई दिया। इसके बाद वन विभाग ने इंप्रेशन पैड के जरिए उसकी गतिविधियों और संभावित मूवमेंट वाले स्थानों को ट्रेस किया। इसी आधार पर पिंजरों की लोकेशन बदली गई और शनिवार सुबह लेपर्ड एक पिंजरे में फंस गया। डीएफओ डीके तिवारी ने बताया कि वन विभाग की टीमें पिछले कई दिनों से उमरड़ा खेड़ा गांव और आसपास के सघन जंगल व पहाड़ी क्षेत्र में लेपर्ड की तलाश कर रही थीं। चार अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए गए थे, लेकिन लेपर्ड उनमें नहीं आया। जंगल और पहाड़ी इलाके में ड्रोन से भी निगरानी की गई, लेकिन उसकी मौजूदगी का पता नहीं चल सका। इसके बाद वन विभाग ने रणनीति बदलते हुए इंप्रेशन पैड की मदद ली। जिन स्थानों पर लेपर्ड के पैरों के निशान मिले, वहां से उसकी आवाजाही का अनुमान लगाया गया। इसी आधार पर शुक्रवार रात पिंजरों की लोकेशन कई बार बदली गई। संभावित मूवमेंट वाले स्थानों पर पिंजरे लगाए गए, जिसके बाद सुबह लेपर्ड इनमें से एक पिंजरे में कैद हो गया। गौरतलब है कि उमरड़ा खेड़ा में गत मंगलवार शाम से बुधवार दोपहर तक लेपर्ड ने पांच लोगों पर हमला किया था। मंगलवार शाम उसने लोगर लाल मीणा (45) पर हमला किया। बुधवार सुबह जग्गा (60) पुत्र कालू मीणा, हितेश (20) पुत्र गंगाराम और कालू (40) पर घात लगाकर हमला किया। इसके बाद दोपहर में महिला लोगरी बाई (45) पर भी हमला किया। इन हमलों में लोगर लाल मीणा की मौत हो गई थी, जबकि अन्य लोग घायल हुए थे। लेपर्ड के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

अयोध्या में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

रामलला और लाल साहब को बांधी गईं राखियां, लगा 56 भोग

अयोध्या, एजेन्सी। रामनगरी अयोध्या में शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर राम मंदिर में रामलला और बाल स्वरूप लाल साहब को राखी बांधी गई। वहीं, रक्षाबंधन पर देशभर से रामलला के लिए हजारों राखियां भिजवाई गईं। रामलला के दरबार में विशेष पूजन हुआ। रक्षाबंधन पर रामलला को नए वस्त्र धारण कराए गए। साथ ही, उन्हें 56 भोग लगाया गया। इसके बाद रामलला संग चारों भाइयों, राम दरबार और हनुमान जी को राखी अर्पित की गई। रामलला को उनकी बहन शांता की ओर से भी राखी समर्पित की गई। मुख्य पुजारी संतोष ने विधि-विधान से रामलला के चरणों में राखियां अर्पित कीं। मुख्य पुजारी संतोष ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम बहुत खुश हैं। माता शांता की ओर से भगवान रामलला और उनके चारों भाइयों के लिए राखियां भेजी गई हैं।

मांडल थाना क्षेत्र के सीडियास गांव का मामला

भीलवाड़ा में अज्ञात बदमाशों ने बुजुर्ग को गोली मारी, हालत नाजुक

समाचार जगत ब्यूरो

भीलवाड़ा। मांडल थाना क्षेत्र के सीडियास गांव में शुक्रवार रात खेत पर बने बाड़े में फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई। अज्ञात बदमाशों ने बाड़े में गाय-भैंसों की देखभाल कर रहे 70 वर्षीय शंकर दरोगा को गोली मार दी। गोली उनके सीने में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सीडियास गांव निवासी शंकर पिता उदयराम दरोगा शुक्रवार शाम अपने खेत पर बने बाड़े में पशुओं की रखवाली करने गए थे। रात करीब 9 बजे अचानक अज्ञात बदमाश वहां पहुंचे और शंकर पर फायर कर दिया। गोली सीने में लगने से वह घायल होकर गिर पड़े। फायरिंग के बाद शंकर ने अपने बेटे भंवर सिंह को फोन कर बताया कि किसी ने उन्हें गोली मार दी है। सूचना मिलते ही भंवर सिंह बाड़े पर पहुंचा और ग्रामीणों की मदद से घायल पिता को मांडल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात स्थल की जांच शुरू की। पुलिस अज्ञात हमलावरों की तलाश में जुटी है। फायरिंग किसने और किस वजह से की, इसका अभी खुलासा नहीं हो सका है। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

दिल्ली–एनसीआर में स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप, इमरजेंसी एडवाइजरी जारी

दिल्ली, एजेन्सी। गौतमबुद्ध नगर में मौसम में बदलाव के साथ मौसमी बीमारियों का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 192 मरीज सामने आ चुके हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए इमरजेंसी एडवाइजरी जारी की है। वहीं, जिले में डेंगू के मामलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है और अब तक 48 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को निर्देश दिया है कि स्वाइन फ्लू और डेंगू के संदिग्ध मरीजों की पहचान को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए। अस्पतालों में आने वाले ऐसे मरीज, जिनमें तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी, बदन दर्द या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

ट्रंप ने की भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन की प्रशंसा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन और उनके दो साथियों की प्रशंसा की है। ट्रंप ने उन्हें 'महान अमेरिकी, महान देशभक्त और बहादुर लोग' बताया। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने पृथ्वी पर लौटने के बाद उन्हें ओवल ऑफिस आने का न्योता भी दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर से हुई बातचीत के दौरान कहा, ₹आपके साथ होना बहुत सम्मान की बात है और मैं जेसिका, अनिल और जैक का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। ये महान अमेरिकी, महान देशभक्त और बहादुर लोग हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अनिल मेनन, जेसिका मीर और जैक हैथवे के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस मिशन के लिए उनका चुना जाना ही एक बड़ी उपलब्धि थी। वहीं, अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल मेनन ने ट्रंप से कहा कि उन्हें अंतरिक्ष में सेवा करने पर गर्व है। उन्होंने पिछले हफ्ते पूरे किए गए स्पेस वॉक के बारे में भी बताया।

सादर
भावभीनी श्रद्धांजलि

29.01.1937 - 26.08.2026

श्री वीरेन्द्र सिंह वर्मा

के देवलोक गमन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन
शनिवार, दिनांक 29 अगस्त 2026 को सांय 4 से 5 बजे तक
अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर में किया गया है।

:: श्रद्धावनत ::

डॉ. एम. एल. स्वर्णकार – श्रीमती मीना स्वर्णकार (दामाद–पुत्री)
संस्थापक एवं एमेरिटस चेयरपर्सन
तथा
डॉ. विकास चन्द्र स्वर्णकार
चेयरपर्सन एवं चांसलर

डॉ. शोभित स्वर्णकार
मेम्बर, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट

राम रतन सोनी
सी.ई.ओ. एवं चीफ फाईनेंस तथा अकाउन्ट्स ऑफिसर

वाइस चांसलर, मेम्बर्स बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, एकेडमिक काउंसिल, फैकल्टी, स्टाफ एवं विद्यार्थीगण
महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एण्ड टेक्नोलॉजी

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY of MEDICAL SCIENCES AND TECHNOLOGY
JAIPUR
रीको इन्सटीट्यूशनल एरिया, सीतापुरा, टोंक रोड, जयपुर 302 022
फोन : 0141- 2771777, 2771001-2-3, Toll free 1800 180 6002 • Web. : www.mgmch.org

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक त्रिशला गोधा द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : शैलेन्द्र गोधा* । फोन : 3509888 (संपादकीय) : फैक्स : 0141-2708088 e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी